आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 61 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बृहस्पतिवार, 20 फरवरी, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

मैं रेखा गुप्ता शपथ लेती हूँ...

27 साल बाद दिल्ली में बनी भाजपा की सरकार

श्रीमती रेखा गुप्ता ने ली दिल्ली की मुख्यमंत्री पद की शपथ

6 मंत्रियों ने भी ली शपथ

- प्रवेश वर्मा
- डॉ. पंकज कुमार सिंह
- कपिल मिश्रा
- रविंद्र सिंह इंद्राज
- मनजिंदर सिंह सिरसा
- आशीष सूद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की चौथी महिला मुख्यमंत्री के तौर पर बीजेपी विधायक श्रीमती रेखा गुप्ता ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है। रामलीला मैदान में आयोजित समारोह में उन्होंने सीएम पद की शपथ ली। यह पार्टी के लिए ऐतिहासिक दिन है क्योंकि बीजेपी 27 साल बाद राजधानी में सत्ता में वापस लौटी है। श्रीमती सुषमा स्वराज, श्रीमती शीला दीक्षित और आतिशी के बाद श्रीमती रेखा गुप्ता दिल्ली की चौथी महिला मुख्यमंत्री बनी हैं। उनके साथ 6 मंत्रियों ने भी शपथ ली। रेखा गुप्ता के साथ प्रवेश वर्मा, आशीष सूद, डा. पंकज कुमार सिंह, मनजिंदर सिंह सिरसा, कपिल मिश्रा और रविंद्र इंद्राज ने भी शपथ ली। उन्हें दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने शपथ दिलाई। शपथ गृहण के बाद आज शाम को नई सरकार की पहली कैबिनेट बैठक होगी।

आपको बता दें कि दिल्ली में भाजपा 27 साल बाद सत्ता में वापस लौटी है। रेखा गुप्ता ने दिल्ली की शालीमार बाग विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी की बंदना कुमारी को हराया था। रेखा गुप्ता इस सीट से 29000 से ज्यादा वोटों से जीती थीं। दिल्ली की नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शपथ ग्रहण से पहले श्री मरघट वाले हनुमान बाबा मंदिर पहुंची हैं। वह हनुमान का आशीर्वाद लेने के बाद शपथ ग्रहण के लिए रामलीला मैदान पहुंची। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

शीशमहल में नहीं रहूंगी : रेखा गुप्ता

रेखा गुप्ता ने दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की शपथग्रहण से पहले साफ कर दिया है कि वह केजरीवाल द्वारा तैयार कराए शीशमहल में नहीं रहेंगी। उन्होंने कहा कि मैं शीशमहल में नहीं रहूंगी।

शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने से पहले जब रेखा गुप्ता से पूछा गया कि क्या वह शपथग्रहण के बाद शीशमहल में रहेंगी तो दिल्ली की मनोनीत सीएम ने कहा कि नहीं, नहीं, मैं शीशमहल में नहीं रहूंगी।

होली से पहले महिलाओं को मिलेंगे 2500 रुपये

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये के लिए अब ज्यादा नहीं करना पड़ेगा। दिल्ली की मनोनीत मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने महिलाओं को 2500 रुपये देने को लेकर होली से पहले की तारीख का एलान कर दिया है।

दिल्ली की भावी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को आश्वासन देते हुए कहा कि भाजपा की सरकार महिलाओं को 2,500 रुपये मासिक सहायता देने के अपने वादे को पूरा करेगी।

यूपी का अबतक का सबसे बड़ा बजट

8 लाख, 8 हजार 736 करोड़ का बजट, कई बड़े ऐलान

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने आज अपने दूसरे कार्यकाल का चौथा बजट पेश किया। सदन में वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने योगी सरकार का रोडमैप रखा। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने आठ लाख, आठ हजार 736 करोड़ का बजट पेश किया है। बजट में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन बनाने का लक्ष्य रखा गया है। बजट में 4 नए एक्सप्रेसवे, 8 डाटा सेंटर्स व अमृत योजना 2.0 तथा युवाओं को ब्याजमुक्त लोन देने का ऐलान किया गया है।

बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि नीति आयोग, भारत सरकार की ओर से वित्तीय वर्ष 2014-2015 से 2022-2023 तक की अवधि के लिए राज्यों की राजकोषीय स्थिति के संबंध में रिपोर्ट प्रकाशित की गई है, **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

योगी सरकार के बजट में की गई घोषणाएं

- गोरखपुर एयरपोर्ट पर नए टर्मिनल भवन का निर्माण
- ललितपुर हवाई पट्टी का एयरपोर्ट के रूप में विकास
- जीरो पॉवर्टी यूपी अभियान के लिए 250 करोड़
- त्वरित आर्थिक विकास योजना को 2400 करोड़
- क्रिटिकल मैप्स योजना को 152 करोड़
- नरेगा योजना के लिए 5372 करोड़ की व्यवस्था
- पीएम आवास योजना (ग्रामीण) के लिए 4882 करोड़
- स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) को 2045 करोड़
- डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना के लिए 454 करोड़
- ग्रामीण अन्त्येष्टि स्थलों के विकास के लिए 244 करोड़
- स्टेडियम एवं ओपन जिम के लिए 125 करोड़
- CM पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना को 85 करोड़
- प्राकृतिक खेती कार्यक्रम के लिए 124 करोड़
- सोलर पम्पों की स्थापना के लिए 509 करोड़
- कृषि क्षेत्र में कौशल विकास के लिए 200 करोड़
- बागवानी मिशन योजना के लिए 650 करोड़
- सौर ऊर्जा परियोजना के लिए 150 करोड़ की व्यवस्था
- झांसी में 200 मेगावॉट सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना
- अमृत 2.0 योजना के लिए 4100 करोड़ की व्यवस्था
- CM ग्रीन रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर योजना को 800 करोड़
- मलिन बस्ती विकास योजना को 400 करोड़
- अर्बन फ्लड स्टार्म वाटर ड्रेनेज योजना को 1000 करोड़
- स्मार्ट सिटी योजना के लिए 400 करोड़
- बेसहारा पशु आश्रय योजना को 450 करोड़
- वाराणसी, अलीगढ़, श्रावस्ती एयरपोर्ट का विस्तार होगा

40 लाख के फर्जी भुगतान का मामला

वरिष्ठ प्रबंधक व ठेकेदार पर गाज गिरना तय!

आज शाम सीईओ को सौंपी जाएगी जांच की रिपोर्ट

नोएडा (चेतना मंच)। काम किये बिना ठेकेदार को 40 लाख रूपये का भुगतान कराने के मामले में नोएडा प्राधिकरण के विद्युत एवं यांत्रिकी विभाग खण्ड-3 के वरिष्ठ प्रबंधक रविन्द्र कुमार के साथ-साथ ठेकेदार पर गाज गिरनी तय है। शीर्ष अफसरों की आंखों में धूल झोंककर किया भ्रष्टाचार का खेल प्राधिकरण में चर्चा का विषय बना है। इस वरिष्ठ प्रबंधक को तत्कालीन डीजीएम राजेश कुमार का वरदहस्त बताया जाता है।

मामले का उजागर होने पर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम ने जांच के लिए तीन सदस्यीय टीम गठित की है। यह कमेटी जांच करके आज शाम को सीईओ को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। इस कमेटी में महाप्रबंधक आरपी सिंह, ओएसडी अशोक शर्मा तथा डीजीएम (सिविल) विजय रावल शामिल हैं।

नोएडा के सेक्टर-122 स्थित एक गोदाम में आज सुबह भयंकर आग लग गई। आग से गोदाम में रखा लाखों का सामान जलकर खाक हो गया है। आग को बुझाने में फायर बिग्रेड को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

8 मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत का होगा आयोजन : ऋचा उपाध्याय

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद न्यायाधीश, गौतमबुद्धनगर की अध्यक्षता में 8 मार्च को जनपद गौतमबुद्धनगर में मुख्यालय एवं तहसील स्तर पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। अपर जिला जज/ सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ऋचा उपाध्याय ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में विशेषत: आपराधिक शमनीय वाद, पारिवारिक मामलें, मोटरयान दुर्घटना अधिनियम के मामले, बिजली व पानी से संबधित मामले, धारा 138 एन.आई. एक्ट के वाद, भू-राजस्व वाद, सेवा सम्बन्धित मामले एवं प्री-लिटीगेशन मामलों के साथ-साथ सुलह समझौते के माध्यम से निस्तारण योग्य अन्य विवाद, जिनमें पक्षकार पारस्परिक सद्भावना के अधीन सन्धि हेतु इच्छुक हो वह मामले राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से निस्तारित किये जायेगे। लोक अदालत द्वारा जारी किए गए फैसले को दीवानी अदालत के डिक्री का दर्जा प्राप्त होता है। यह फैसले बाध्यकारी होते हैं और इनके खिलाफ अपील नही की जा सकती। लोक अदालत का कोई न्यायालय शुल्क नहीं है और यदि न्यायालय शुल्क का भुगतान पहले ही कर दिया गया है, तो लोक अदालत में विवाद का निपटारा होने पर राशि वापस कर दी जाती है।

रेखा गुप्ता को सीएम बनने पर वैश्य समाज में हर्ष

बधाईयों का तांता, नोएडा के वैश्य नेताओं ने दी बधाई

नोएडा (चेतना मंच)। दिल्ली की शालीमार बाग विधानसभा से विधायक श्रीमती रेखा गुप्ता को दिल्ली की नवनियुक्त मुख्यमंत्री के रूप में घोषणा होने के बाद से ही वैश्य समाज में खुशी की लहर है।

मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता के नाम की घोषणा होने के साथ ही उन्हें बधाई देने वालों का ताता लगा हुआ है। इसी कड़ी में अग्रवाल मित्र मंडल के पूर्व अध्यक्ष व उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन गौतमबुद्धनगर के जिला अध्यक्ष संजय कुमार गोयल, भाजपा युवा मोर्चा नोएडा महानगर के जिला महामंत्री एवं अग्रवाल मित्र मंडल के मीडिया प्रभारी तुषार गोयल ने उनसे शिष्टाचार भेंट कर **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

'अंतिम निवास में जनरेटर न चलाने पर वरिष्ठ प्रबंधक का वेतन रोकना उचित नहीं'

कई सामाजिक संगठनों ने इस घटना पर एसएम का किया बचाव

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-94 स्थित अंतिम निवास में कथित रूप से जनरेटर न स्टार्ट होने पर सीएनजी शवदाह में 8 मिनट की रूकावट आने पर विद्युत एवं यांत्रिकी विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक को बलि का बकारा बनाया गया है। कई सामाजिक संगठनों की यही राय है।

अंतिम निवास का संचालन करने वाली संस्था नोएडा लोक मंच के महासचिव महेश सक्सेना का कहना है कि सीएनजी में शवदाह के दौरान मात्र 8 मिनट के लिए जनरेटर बंद था। इसके बाद भी शवदाह की पूरी प्रक्रिया की गई। दाह संस्कार में आये परिजनों ने भी इस पर कोई विरोध नहीं जताया। यदि जनरेटर सही भी होता तो स्टार्ट होने में कम से कम 5 मिनट का समय लग जाता। ऐसी स्थिति में वरिष्ठ प्रबंधक को पूरी तरह दोषी मानना तथा वेतन रोकने का कोई पर्याप्त आधार नहीं बनता है। उन्होंने आशा जताई कि सीईओ महोदय को जनहित में अपना आदेश वापस लेना चाहिए।

उधर प्राधिकरण का तर्क है कि सेक्टर-94 स्थित अंतिम निवास स्थान में अंतिम संस्कार सीएनजी चैंबर के माध्यम से किया जा रहा था। अचानक बिजली सप्लाई जाने से सीएनजी चैंबर ने कार्य करना बंद कर दिया। इस कारण करीब 10 मिनट दोपहर 12 से 12 बजकर 10 मिनट तक सीएनजी चैंबर में काम नहीं हो सका। उक्त प्रकरण की जांच अरविन्द कुमार, विशेष कार्याधिकारी, नोएडा प्राधिकरण ने की। मौका मुआयना और निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि अंतिम निवास में कुल 04 सीएनजी चैंबर स्थापित होना पाया गया। जिनमे से 02 सीएनजी चैंबर कोविड के समय से ही क्रियाशील नहीं है। वर्तमान में 02 सीएनजी चैंबर में **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

(हम भीड़ मे दौड़ना नहीं जीतना सिखाते हैं)
कोड 0910011910
सरस्वती
ग्लोबल स्कूल
सेक्टर-22, नोएडा 8750611103
*फीस ना के बराबर *नि:शुल्क एडमिशन फीस
केवल 10 महीने की मासिक फीस

विकास की अंधी दौड़

तकनीक के जरिये विकास की अंधी दौड़ में हम बहुत कुछ खो भी रहे हैं। इंसान कभी मशीन से संचालित नहीं हो सकता। मानवीय संवेदनाएं और अहसास कभी कृत्रिम नहीं हो सकते। दूसरे शब्दों में कहें तो कोई तकनीक, मशीन व उपकरण सहयोगी तो हो सकते हैं, मगर मालिक नहीं हो सकते। कमोबेश यही बात शिक्षा में तेजी से बढ़ते स्मार्टफोन के उपयोग और उसके घातक प्रभावों को लेकर कही जा सकती है। निस्संदेह, शिक्षा के बाजारीकरण और नई शैक्षिक परिपाटी में मोबाइल की अपरिहार्यता को महंगे स्कूलों ने स्टेटस सिंबल बना दिया है। लेकिन हालिया वैश्विक सर्वेक्षण बता रहे हैं कि पढ़ाई में अत्यधिक मोबाइल का प्रयोग विद्यार्थियों के लिये मानसिक व शारीरिक समस्याएं खड़ी कर रहा है। निस्संदेह, विभिन्न ऑनलाइन शैक्षिक कार्यक्रमों के चलते छात्र-छात्राओं में मोबाइल फोन का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। तमाम पब्लिक स्कूलों ने ऑनलाइन शिक्षा के लिए मोबाइल फोन का इस्तेमाल अनिवार्य तक बना दिया है। कमोबेश सरकारी स्कूलों में ऐसी बाध्यता नहीं है। लेकिन वैश्विक स्तर पर किए गए सर्वेक्षण से यह तथ्य सामने आया है कि स्मार्टफोन एक हद तक तो सीखने की प्रक्रिया में मददगार साबित हुआ है, लेकिन इसके नकारात्मक प्रभावों को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि एक समय महज बातचीत का जरिया माना जाने वाला मोबाइल फोन आज दैनिक जीवन की जरूरतों को पूरा करने वाला बेहद जरूरी उपकरण बन चुका है। खासकर कोरोना संकट के चलते स्कूल-कालेजों के बंद होने के बाद तो यह पढ़ाई का अनिवार्य हिस्सा बन गया। तब लगा था कि इसके बिना तो पढ़ाई संभव ही नहीं है। लेकिन नादान बच्चों के हाथ में मोबाइल बंदर के हाथ में उस्तरे जैसा ही है। जाहिरा तौर पर ये उनके भटकाव और मानसिक विचलन का कारण भी बन सकता है। अब इसके मानसिक व शारीरिक दुष्प्रभावों पर व्यापक स्तर पर बात होने लगी है। यहां तक कि आस्ट्रेलिया समेत तमाम विकसित देश स्कूलों में मोबाइल के उपयोग पर रोक लगा रहे हैं। अब तो यूनेस्को अर्थात संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन की दुनिया में शैक्षिक स्थिति पर नजर रखने वाली टीम ने भी स्मार्टफोन के उपयोग से विद्यार्थियों पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों पर चिंता जतायी है। इसकी रिपोर्ट भारत में शिक्षा के नीति-नियंताओं की आंख खोलने वाली है। यूनेस्को की टीम के मुताबिक बीते साल के अंत तक कुल पंजीकृत शिक्षा प्रणालियों में से चालीस फीसदी ने सख्त कानून या नीति बनाकर स्कूलों में छात्रों के स्मार्टफोन के प्रयोग पर रोक लगा दी है। दरअसल, आधुनिक शिक्षा के साथ कदमताल की दलील देकर तमाम पब्लिक स्कूलों में मोबाइल के उपयोग को अनिवार्य बना दिया गया। निस्संदेह, आधुनिक समय में स्मार्टफोन कई तरह से शिक्षा में मददगार है। लेकिन यहां प्रश्न इसके निरंकुश प्रयोग का है। साथ ही दुनिया में बेलगाम इंटरनेट पर परोसी जा रही अनुचित सामग्री और बच्चों पर पड़ने वाले उसके दुष्प्रभावों पर भी दुनिया में विमर्श जारी है। जिसमें प्रश्न बच्चों की निजता का भी है। वहीं प्रश्न ज्यादा प्रयोग से बच्चों के दिमाग व शरीर पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों का भी है। निस्संदेह, शिक्षकों व अभिभावकों की देखरेख में सीखने की प्रक्रिया में स्मार्टफोन का सीमित उपयोग तो लाभदायक हो सकता है। लेकिन इसका अंधाधुंध व गलत उपयोग घातक भी हो सकता है। दरअसल, स्मार्टफोन में वयस्कों से जुड़े तमाम एप ऐसे भी हैं जो समय से पहले बच्चों को वयस्क बना रहे हैं। उन्हें यौन कुंठित बना रहे हैं। बड़ी चुनौती यह है कि बच्चों की एकाग्रता भंग हो रही है। बच्चों में याद करने की क्षमता घट रही है। ऐसे में जब शिक्षा में स्मार्टफोन का उपयोग टाला नहीं जा सकता, लेकिन उसका नियंत्रित उपयोग तो किया ही जा सकता है। निस्संदेह उसका उपयोग सीमित किया जाना चाहिए। संकट यह भी कि मोबाइल पर खेले जाने वाले ऑन लाइन गेम जहां बच्चों को मैदानी खेलों से दूर कर रहे हैं, वहीं स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर डाल रहे हैं। निश्चित तौर पर फोन छात्र-छात्राओं का सहायक तो बन सकता है, लेकिन उनके दिमाग को नियंत्रित करने वाला नहीं।

मन्दिरों एवं धर्म-स्थलों में वीआईपी संस्कृति समाप्त हो

मन्दिरों, धर्मस्थलों एवं धार्मिक आयोजनों में वीआईपी संस्कृति एवं उससे जुड़े हादसों एवं त्रासद स्थितियों ने न केवल देश के आम आदमी के मन को आहत किया है, बल्कि भारत के समानता के सिद्धान्त की भी धज्जियां उड़ा दी है। मौनी अमावस्या महाकुंभ में भगदड़ के चलते तीस लोगों की मौत ने ऐसे मौकों पर कुछ विशेष लोगों को मिलने वाले वीआईपी सम्मान एवं सुविधा पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। बात केवल महाकुंभ की नहीं है, बल्कि अनेक प्रतिष्ठित मन्दिरों में वीआईपी संस्कृति के चलते होने वाले हादसों एवं आम लोगों की मौत ने अनेक सवाले खड़े किये हैं। प्रश्न है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पहले ही कार्यकाल के दौरान वीआईपी कल्चर को खत्म करते हुए लालबत्ती एवं ऐसी अनेक वीआईपी सुविधाओं को समाप्त कर दिया था तो मन्दिरों एवं धार्मिक आयोजनों की वीआईवी संस्कृति को क्यों नहीं समाप्त किया? क्यों महाकुंभ में वीआईपी स्नान के लिये सरकार ने अलग से व्यवस्थाएं की। क्यों एक विधायक अपने पद का वैभव प्रदर्शित करते हुए महाकुंभ में कारों के बड़े काफिले के साथ घूमते एवं स्नान करते हुए, पुलिस-सुविधा का बेजा इस्तेमाल करते हुए एवं सेल्फी लेते हुए करोड़ लोगों की भीड़ का मजाक बनाते रहे? सवाल यह पूछा जा रहा है कि हिंदुओं के धार्मिक स्थलों और आयोजनों में क्यों भक्तों के बीच भेदभाव होता है? वीआईपी दर्शन की अवधारणा भक्ति एवं आस्था के खिलाफ है। यह एक असमानता का उदाहरण है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों पर भी आघात करती है। महाकुंभ हो या मन्दिर, धार्मिक आयोजन हो या कीर्तन-प्रवचन भगदड़ के कारण जो दर्दनाक हादसे होते रहे हैं, जो असंख्य लोगों की मौत के साक्षी बने हैं, उसने वीआईपी कल्चर पर एक बार फिर से नये सिरे से बहस छेड़ दी है। सवाल उठ रहा है कि जब गुरुद्वारे में वीआईपी दर्शन नहीं, मस्जिद में वीआईपी नमाज नहीं, चर्च में वीआईपी प्रार्थना नहीं होती है तो सिर्फ हिन्दू मंदिरों में कुछ प्रमुख लोगों के लिए वीआईपी दर्शन क्यों जरूरी है? क्या इस पद्धति को खत्म नहीं किया जाना चाहिए, जो हिंदुओं में दूरिया का करण बनता है? योगी सरकार ने मौनी अमावस्या के दिन हुए हादसे से सबक लेते हुए भले ही वीआईपी सिस्टम पर रोक लगायी हो, लेकिन इस रोक के बावजूद महाकुंभ में वीआईवी संस्कृति बाद में भी पूरी तरह हावी रही है। महाकुंभ हो या प्रसिद्ध मन्दिर वीआईपी पास एवं दर्शन की व्यवस्था समाप्त क्यों नहीं होती? यह व्यवस्था समाप्त होना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 7 जनवरी को ही धार्मिक स्थलों पर होने वाली वीआईपी व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े किये हैं। उन्हें ऐसे हासदे की उम्मीद भी नहीं रही होगी। निश्चित ही जब किसी को वरीयता दी जाती है और प्राथमिकता दी जाती है तो उसे वीवीआईपी या वीआईपी कहते हैं। यह

समानता की अवधारणा को कमतर आंकना है। वीआईपी संस्कृति एक पथभ्रष्टता है। यह एक अतिक्रमण है। यह मानवाधिकारों का हनन है। समानता के नजरिए से देखा जाए तो समाज में इसका कोई स्थान नहीं होना चाहिए, धार्मिक स्थलों में तो बिल्कुल भी नहीं।

देश की कानून व्यवस्था एवं न्यायालय भी देश में बढ़ती वीआईपी संस्कृति को लेकर चिन्तीत है। मद्रास उच्च न्यायालय की मुदुरै पीठ ने अपनी एक सुनवाई के दौरान कहा भी है कि लोग वीआईपी संस्कृति से 'हताश' हो गए हैं, खासतौर पर मंदिरों में। इसके साथ ही अदालत ने तमिलनाडु के प्रसिद्ध मंदिरों में विशेष दर्शन के संबंध में कई दिशा निर्देश जारी किए। राजस्थान में गहलोत सरकार ने भी मन्दिरों में वीआईपी दर्शनों की परम्परा को समाप्त करने की घोषणा की थी कि मन्दिरों में बुजुर्ग ही एकमात्र वीआईपी होंगे। इस तरह की सरकारी घोषणाएं भी समस्या का कारगर उपाय न होकर कोरा दिखावा होती रही है। अक्सर नेताओं एवं धनाढ्यों को विशेष दर्शन कराने के लिए मंदिर परिसरों को आम लोगों के लिये बंद कर दिया जाता है, जिससे श्रद्धालुओं को भारी परेशानी होती है, लोग वास्तव में इससे दुखी होते हैं और कोसते हैं। वीआईपी लोगों को तरह-तरह की सुविधाएं दी जाती है, मन्दिर के मूल परिसर-गर्भ परिसर में दर्शन कराये जाते हैं, उनके वाहन मन्दिर के दरवाजे तक जाते हैं, उनके साथ पुलिस-व्यवस्था रहती है, जबकि आम श्रद्धालुओं को कई किलोमीटर पैदल चलना होता है, भगवान के दर्शन दूर से कराये जाते हैं, उनके साथ धक्का-मुक्की की जाती है।

तीर्थस्थलों और गंगा स्नान में वीआईपी संस्कृति की बात कि जाये तो महाकुंभ मेले प्रयागराज, हरिद्वार या वाराणसी जैसे तीर्थस्थलों पर आम श्रद्धालुओं को अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता है, लेकिन वीआईपी के लिए अलग घाट बना दिये जाते हैं। जहां आम लोग भीड़ में संघर्ष करते हैं, वहीं खास लोगों के लिए विशेष स्नान व्यवस्था, सुरक्षा घेरा और सुविधाएं मुहैया कराई जाती है। कई बार वीआईपी के स्नान के लिए आम श्रद्धालुओं को घंटों रोका जाता है, जिससे भीड़ में अफरातफरी तक मच जाती है। सवाल ये हैं कि जहां करोड़ों लोग जुट रहे हों, वहां आम श्रद्धालुओं की असुविधा को बढ़ाकर वीआईपी स्नान जैसी व्यवस्था क्यों? वीआईपी स्नान के बेहूदे एवं शर्मनाक प्रदर्शन की टीस महाराज प्रेमानंद गिरि के शब्दों में दिखी जब उन्होंने कहा कि प्रशासन का पूरा ध्यान वीआईपी पर था। आम श्रद्धालुओं को उनके हाल पर छोड़ दिया गया था। उनका आरोप है कि पूरा प्रशासन वीवीआईपी की जी-हुजूरी में लगा रहा, तुष्टीकरण में लगा रहा।

मोदी के शासन-काल में हिन्दू मन्दिरों एवं धार्मिक आयोजनों के लिये जनता का आकर्षण बढ़ा है, बात चाहे श्रीराम मन्दिर अयोध्या की हो या महाकुंभ की या ऐसे ही अन्य धर्मस्थलों की, करोड़ों की संख्या में आम लोग इन स्थानों तक पहुंच रहे हैं, लेकिन ईश्वर के दर्शन भी उनके लिये दोयम दर्जा एवं असमानता लिये हुए है। देश की आजादी के बाद सरकार ने कुछ मंदिरों में ट्रस्ट के माध्यम से व्यवस्था अपने हाथों में ली। शुरुआत में तो सभी मंदिर आम आदमी के लिये सुगम थे लेकिन धीरे धीरे अब इसमें प्रशासन के लोग अपनी घुसपैठ जमाने लगे। भीड़ भाड़ की स्थिति में अपने लोगों, अधिकारियों एवं नेताओं के लिए अलग से व्यवस्था का इंतजाम करने लगे। धीरे-धीरे ये राजनेताओं, मंत्रियों, अधिकारियों के वीआईपी दर्शन का आधार बनने लगे। इसका स्वरूप फिर से एक बार और बदला और एक नई संस्कृति का उदय हुआ और वह था वीआईपी दर्शन जो उनलोगों के लिए था जो एक विशेष शुल्क देकर उसका लाभ उठा सकते हैं, यानि भगवान के दरबार में भी दो तरह की व्यवस्था हो गई। एक आम जनता के लिए और एक उन लोगों के लिए जो आर्थिक रूप से सक्षम हों। एक आम आदमी जो घंटों लाइन में लगने के बाद मंदिर के अंदर प्रवेश करता है तो उसे बाहर से ही दर्शन करने के लिए बाध्य किया जाता है जैसे वह कोई अछूत हो और वहीं दूसरी ओर आपके सामने ही कुछ वीआईपी लोग बड़े आराम से मंदिर के गर्भगृह में दर्शन लाभ करते हुए नजर आते हैं।

लगता है मन्दिरों में दर्शन एवं धार्मिक आयोजनों में सहभागिता को लेकर आम आदमी गुलामी की मानसिकता को ही जी रहा है। इन स्थानों पर उसके स्वाभिमान, सम्मान एवं समानता को बेरहमी से कुचला जा रहा है। ये कैसा मंदिर और ये कैसा दर्शन जहाँ सरेआम आम दर्शनार्थी का अपमान हो रहा है। भगवान के मंदिर में वीआईपी व्यवस्था का क्या औचित्य है? इसलिए जिस भी मंदिर में वीआईपी दर्शन की सुविधा दी जा रही है उसके खिलाफ जनक्रांति हो। आज हिन्दू मन्दिरों की भेदभाव पूर्ण दर्शन-व्यवस्था को समाप्त करके ही आम आदमी को उसका उचित सम्मान किया जा सकता है, उसकी निराशा एवं पीड़ा को समझा जा सकता है। उन्नत राष्ट्र-चरित्र निर्मित को निर्मित करते हुए सबसे बड़ी जरूरत है कि पास, धन के बल अथवा राजनीतिक वर्चस्व के लिए हकदार का, गुणवंत का, आम आदमी का हक नहीं छीना जाए। अन्यथा आम आदमी के अन्तर पनप रहा यह विद्रोह एवं असंतोष किसी बड़ी क्रांति का कारण न बन जाये? भाजपा सरकार मन्दिरों एवं धार्मिक-स्थलों से वीआईपी संस्कृति को समाप्त करने के लिये कोई ठोस कदम उठाये।

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि श्री हरि के गुण, मान, कथा और रूप सभी अपार, अगणित और असीम हैं। फिर भी हे पार्वती! मैं अपनी बुद्धि के अनुसार कहता हूँ, तुम आदरपूर्वक सुनो॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

सुनु गिरिजा हरिचरित सुहाए। बिपुल बिसद निगमागम गाए॥
हरि अवतार हेतु जेहि होई। इदमित्थं कहि जाइ न सोई॥

हे पार्वती! सुनो, वेद-शास्त्रों ने श्री हरि के सुंदर, विस्तृत और निर्मल चरित्रों का गान किया है। हरि का अवतार जिस कारण से होता है, वह कारण 'बस यही है' ऐसा नहीं कहा जा सकता (अनेकों कारण हो सकते हैं और ऐसे भी हो सकते हैं, जिन्हें कोई जान ही नहीं सकता)॥

राम अतर्क्य बुद्धि मन बानी। मत हमार अस सुनहि सयानी॥
तदपि संत मुनि बेद पुराना। जस कछु कहहिं स्वमति अनुमाना॥

हे सयानी! सुनो, हमारा मत तो यह है कि बुद्धि, मन और वाणी से श्री रामचन्द्रजी की तर्कना नहीं की जा सकती। तथापि संत, मुनि, वेद और पुराण अपनी-अपनी बुद्धि के अनुसार जैसा कुछ कहते हैं॥

तस मैं सुमुखि सुनावउँ तोही। समुझि परइ जस कारन मोही॥
जब जब होई धरम कै हानी। बाढ़हिं असुर अधम अभिमानी॥

और जैसा कुछ मेरी समझ में आता है, हे सुमुखि! वही कारण मैं तुमको सुनाता हूँ। जब-जब धर्म का ह्रास होता है और नीच अभिमानी राक्षस बढ़ जाते हैं॥

(क्रमशः...)

जीवन सौंदर्य को जरूरी शक्तिशाली स्मृतियां

स्वयं को उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करता हूं, जो स्मृतियों के अभाव से संपीड़ित है। इस कारण मैं वास्तविक ज्ञान से वंचित हूं। अतः स्वयं को समझा रहा हूं कि लघु अवधि के जीवन में किसी भी मनुष्य के लिए एक-एक दिवस अत्यंत महत्त्वपूर्ण होना चाहिए। दिवस महत्त्वपूर्ण होगा स्मृतियों की शक्ति द्वारा। जिस मनुष्य की स्मृतियां शक्तिशाली होंगी, वह जीवन को सर्वश्रेष्ठ युक्ति के साथ जी सकता है। एक दिवस में एक मनुष्य ने क्या-क्या किया, क्या विचार किया, क्या दर्शन व क्या अध्यात्म आत्मसात किया, दिवस की प्रत्येक प्राकृतिक गतिविधि को किस प्रकार अनुभूत व अनुस्मृत किया, भौतिक जीवन की आवश्यकताओं व कार्यों को कैसे, कितना व किस विधि याद किया और स्वप्न समान जीवन की समस्त गतिविधियों के वृत्तांत को स्मृतिविष्ट करने के पश्चात स्वयं की मुक्ति व मोक्ष के लिए उसमें से क्या-क्या दर्शन और अध्यात्म तत्व आत्मस्थ किया, यही मनुष्य के जीवंत होने का सत्यप्रमाण है। अन्यथा तो जीवित होते हुए भी अर्थात दिवसभर में बहुत कुछ करने-सोचने के पश्चात भी रात के अंधेरे में अथवा अगले दिवस में सब कुछ भूल जाने का दैनिक अभ्यास तो साक्षात मृत्यु ही है, बल्कि मृत्यु से भी निम्न कोई चेतनहीन स्थिति है। सदियों से अधिसंख्य मानवों के साथ यही स्थिति रही है, और जिन तथाकथित विद्वानों ने स्वयं की विद्वता को स्थापित करते हुए जो कुछ भी इतिहास के स्वरूप में प्रस्तुत किया, वह स्मृतिलोप के वशीभूत हो चेतनहीन बनकर ही प्रस्तुत किया। स्मृतिशून्य होकर व्यतीत समय के दिवसों में घटी घटनाओं को लिखना जीवंत इतिहास कभी नहीं हो सकता और इसीलिए ऐसा इतिहास वर्तमान काल के अधिसंख्य विद्यार्थियों के लिए सहज, रुचिकर व अनुकरणीय नहीं बन सका।

इस संदर्भ में यही सत्य है कि अद्भुत जीवन में महत्त्वपूर्ण दिवस के ब्रह्म मुहूर्त से लेकर मध्य रात्रि पर्यन्त तक सज्जनतापूर्वक और सत्यनिष्ठा के साथ अनुभूत किया गया क्षण-प्रतिक्षण निश्चित ही मनुष्य को स्मृतियों-संस्मृतियों से संयुक्त करता है। यह स्मृतियां-संस्मृतियां उसे घटनाओं व गतिविधियों के तत्त्वज्ञान से संचित करती हैं। ऐसा तत्त्वज्ञान शब्दों में उल्लिखित होकर जीवंत, सत्य, रुचिकर और उपयोगी इतिहास बनता है। ऐसे इस भांति इतिहास लिखा गया होता, लिखा जा रहा होता अथवा लिखा जाएगा तो मनुष्य का सर्वश्रेष्ठ कल्याण निश्चित है। इतिहास की आधारशिला स्मृतियां ही हैं। जो मनुष्य हर व्यतीत क्षण की घटनाओं, गतिविधियों और अनुभवों को वर्षों तक याद रख पाता है, वही सिद्ध पुरुष बन पाता है। वही सच्चा विद्वान है। वही प्रत्येक दृष्टि से अनुभवी है। स्मृतियों के लिए मन-मस्तिष्क और आत्मा का चिरस्वास्थ्य आवश्यक है। इस हेतु ईश्वरकृत नियमों का पालन करना होगा। प्रातःकाल से लेकर रात्रि पर्यन्त तक पंचतत्त्वों की प्राकृतिक व्यवस्था के अनुसार जीवन व्यवहार करना होगा। व्यतीत दिवस की प्रत्येक घटना और अनुभव को वर्षों-वर्ष तक स्मृति में नवीन करके संग्रहीत रखना सुगम नहीं। ऐसा वही व्यक्ति कर पाता है, जिसकी स्मृतिशक्ति अत्यधिक होती है, जिसकी देखने, सुनने, सोचने-समझने और अनुभव करने की इंद्रियां असाधारण होती हैं, वही स्मृतियों को स्वस्थ व जीवंत बनाए रख सकता है। प्रायः अधिसंख्य मनुष्यों की विशिष्ट संवेदनशील दृष्टि-अंतर्दृष्टि पर अधीरता और असंवेदना की धूल जमी होती है। ऐसे मनुष्यों के लिए प्रातःकाल का विशेष महत्त्व नहीं होता। वे सूर्योदय नहीं देखते। यदि उनके पास प्रातः उठकर भास्कर को उदित होते हुए देखने का अवसर सदैव है और तब भी वे उसका उदय नहीं देखते, तो यह उनकी गहन असंवेदना ही है। ऐसे मनुष्य शीतल वायु के स्पंदन से अपरिचित रहते हैं। निद्रा से जागकर मुंह पर धीरे-धीरे थोड़ा-थोड़ा जल छिटकने और मुंह को वस्त्र से न सुखाकर उसे शीतल वायु के लिए खुले व्योम के नीचे स्थिर रखकर पक्षियों की चहचह अनुभव करने का अभ्यास मनुष्यगण करते ही नहीं। प्रातःकाल से लेकर रात्रि अथवा मध्य रात्रि तक सूर्य, वायु, व्योम, पृथ्वी, चंद्रमा, सितारे इत्यादि प्राकृतिक उपागमों को धैर्यदृष्टि से देखना, सुनना, अनुभव व आत्मसात करना और इनके प्राकृतिक प्रभावों से संजीवित आत्मा को दैनिक गतिविधियों के सर्वोत्तम उपयोग हेतु समर्पित करना ही तो वह सर्वश्रेष्ठ अभ्यास है, जिससे मनुष्य की स्मृतियां समृद्ध व उन्नत होंगी। किंतु मनुष्य ध्यान की कमी से जूझ रहा है। मनुष्य को हर कार्य शीघ्रता में निपटाना है। उस पर शीघ्रतापूर्वक कार्य पूरा करने का दबाव है।

ऐसे में कोई भी कार्य, आनंद न होकर बोझ प्रतीत होता है। बोझिल होकर किया गया कोई भी कार्य ध्यान के बिना जैसे-तैसे पूरा होता है। ध्यान, संयम, धीरता का अभाव और शीघ्रता का दुष्प्रभाव ही मनुष्यों द्वारा जैसे-तैसे पूर्ण किए जाने वाले दुनिया के सभी कार्यों पर पड़ रहा है। इस अभ्यास से कार्य के लाभदायी व हानिकारक परिणामों के बारे में एक स्वस्थ और सार्वजनिक दृष्टिकोण नहीं बन पा रहा। यह अपरिवर्तनीय गति ही समस्यामूलक है। यह ध्यानपूर्वक विचार करने की युक्ति प्रदान नहीं करती। जीवन और जीवन की समस्त गतिविधियों पर ध्यान का अभाव ही मनुष्यों की चेतना शुष्क कर रहा है। इससे अंततः प्रत्येक मनुष्य का प्राकृतिक चिंतन-मनन बाधित होता है। फलतः उसमें दर्शन और अध्यात्म की स्वाभाविक दृष्टि विकसित नहीं होती। केवल कठोर, शुष्क और चेतनहीन भौतिक विचार के साथ जीवनयापन आत्मज्ञान प्रदान नहीं करता। आत्मज्ञान के अभाव में स्मृतियों का लोप होता है। स्मृतिहीनता की स्थिति में मनुष्य न केवल दार्शनिक व आध्यात्मिक ज्ञान से, अपितु भौतिक व व्यावहारिक जीवन के वास्तविक आनंद से भी वंचित होता है। वर्तमान में अधिसंख्य मनुष्य इसी वंचना से ग्रस्त और आहत हैं।

इस दुर्दशा से मुक्ति के लिए मनुष्य को प्राकृतिक होना होगा। आधुनिकता का मोह त्यागना होगा। धर्म, आस्था, भक्ति के साथ सुखी-शांत जीवन तब ही साकार हो सकता है, जब प्रगति का पर्याय बनीं मशीनों का दुरुपयोग समाप्त होगा। विज्ञान, प्रगति और आधुनिकता की अति ने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र को दुरुपयोग एवं निरंकुशता की ओर मोड़ दिया है। अधिकतर मनुष्य मशीनी सोच-विचार का विषपान कर रहे हैं। इस कारण उनमें सार्थक स्वरूप में विद्यमान व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक और प्राकृतिक स्मृतियों को संभालने की शक्ति का लोप हो रहा है। उनमें स्मृतियों की अनुभूतियां निरंतर क्षय हो रही हैं। स्मृतियों के स्पंदन भ्रम व भुलावे की भेंट चढ़ रहे हैं। बाल एवं युवा शरीर यदि स्मृतियों से विहीन होगा तो वह जीर्णशीर्ण वृद्ध शरीर से भी निकृष्ट होगा और यदि मरणासन्न काया स्मृतियों से भरपूर होगी, तो वह संजीविता का सर्वोत्तम उदाहरण होगी। स्मृतियों का संबल मनुष्य को अमरता का अनुभव कराता है। मनुष्य की विलक्षण योग्यता का सबसे बड़ा आधार उसकी स्वस्थ स्मृतियां ही होती हैं। जीवन को सर्वश्रेष्ठ और सर्वोत्तम रीति-नीति के साथ जीने के लिए जीवंत स्मृतियां अनिवार्य हैं। जीवन के अपेक्षित सौंदर्य को भौतिक-भाविक स्तर पर निरंतर आत्मसात करने के लिए शक्तिशाली स्मृतियां सदैव साथ होनी चाहिए।

-विकेश कुमार बडोला

राशिफल

फाल्गुन कृष्ण पक्ष सप्तमी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
बचकर पार करें। कोई रिस्क न लें। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी-चाकरी की स्थिति बहुत अच्छी रहेगी। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा आपका। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम रहेगा। प्रेम-संतान की स्थिति थोड़ी मध्यम है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
भावनाओं पर काबू रखें। तूतू-मैंमैं से बचें। बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में बहुत काबू में रहें।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
गृहकलह के संकेत हैं लेकिन भौतिक सुख-संपदा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य अच्छा। प्रेम-संतान अच्छा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ दिख रही है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
धन का आगमन होगा। रिश्तों में वृद्धि होगी। रिश्तेदारों में या कुटुंबों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
भाग्य साथ देगा। जरूरत के हिसाब से जीवन में वस्तुएं भी होंगी। स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार बहुत अच्छा है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
मन चिंतित रहेगा। अज्ञात भय सताएगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। सिरदर्द, नेत्रपीड़ा संभव है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
पुराने सोर्स से भी पैसे आएंगे। स्वास्थ्य में सुधार, प्रेम-संतान का साथ व व्यापार बहुत अच्छा है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
सरकारी तंत्र से लाभ। राजनीतिक लाभ। व्यापारिक लाभ। स्वास्थ्य अच्छा, प्रेम-संतान अच्छा व व्यापार अच्छा है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
परिस्थितियां अनुकूल हो गई हैं। भाग्य साथ देगा। यात्रा में लाभ होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

उद्यमियों ने एनपीसीएल के अधिकारियों से साझा की विद्युत की समस्याएं

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। आईआईए ग्रेटर नोएडा कार्यालय के सभागार में कल एनपीसीएल अधिकारियों के साथ आईआईए ने बैठक की।

बैठक में बिना बताए विद्युत प्रदाय को अचानक बंद कर देना, पुन: प्रदाय बड़े समय अंतराल के बाद प्रारंभ करना, 1 घंटे का अंतराल 3 से 4 घंटे हो जाना, विद्युत प्रदाय लाइनों के भूमिगतिकरण की धीमी प्रगति, आरएमयू लगाने की धीमी गति आदि विद्युत समस्याएं अधिकारियों के सामने रखी गईं।

बैठक में चैप्टर चेयरमैन राकेश बंसल, राष्ट्रीय सचिव विषाद गौतम, सचिव सरबजीत सिंह, जेएस राणा, विजयेंद्र गोयल, जगदीश सिंह, प्रदीप शर्मा, नवीन गुप्ता, राहुल कुमार आदि उद्यमियों ने भाग किया।

दीदी की रसोई ट्रस्ट ने बच्चों को कराया निशुल्क भोजन

नोएडा (चेतना मंच)। दीदी की रसोई ट्रस्ट की अध्यक्ष रितु सिन्हा व कोषाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा के नेतृत्व में शिव नगरी सेक्टर-17, नोएडा मंदिर और सैक्टर-15 में गरीब जरूरतमंद बच्चों को निशुल्क भोजन करवाया गया।

इस अवसर पर दीदी की रसोई ट्रस्ट की अध्यक्ष व समाजसेवीका रितु सिन्हा, ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष व सामाजिक कार्यकर्ता गंगेश्वर दत्त शर्मा ने बताया कि हमारी संस्था लगातार गरीब जरूरतमंद लोगों की सेवा में लगी रहती है और संस्था की ओर से अलग-अलग स्थानों पर प्रतिदिन गरीब जरूरतमंद लोगों, बच्चों को भोजन का वितरण किया जाता है और हमारा यह प्रयास आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

जगनपुर के 77 किसानों के 7 प्रतिशत भूखंडों का ड्रॉ सम्पन्न

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। यमुना प्राधिकरण के सभागार में इंटरचेंज से प्रभावित जगनपुर अफजलपुर के किसानों के 7 प्रतिशत के भूखण्डों का ड्रॉ सम्पन्न हुआ।

इस संबंध में सगठन के राष्ट्रीय महासचिव कृष्ण नागर ने कहा कि पिछले लंबे समय से संगठन का प्रयास था कि किसानों को उनके भूखंड मिले आज इसी कड़ी में प्राधिकरण ने किसानों को भूखंड आवंटित किए हैं संगठन ने लंबे समय से अधर में पड़ी इंटरचेंज की परियोजनाओं के संबंध में आ रही समस्याओं को संगठन ने गंभीरता से प्राधिकरण के स्तर पर किसानों से वार्ता कराकर इंटरचेंज बनवाने का रास्ता साफ़ किया है।

अब भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा इंटरचेंज का निर्माण कार्य चल रहा है शेष बचे हुए किसानों को भी जल्द ही भूखण्ड वितरित किए जाएंगे संगठन के अध्यक्ष डॉक्टर विकास प्रधान ने कहा कि प्राधिकरण से प्रभावित सभी गांवों में विकास कार्य भूखंडों का आवंटन संगठन की प्राथमिकता है। भूखंड पाकर आज किसानों ने भी सगठन के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

इस मौक़े पर बालकिशन नागर श्याम लाल नागर राजकुमार नागर श्रीनिवास आर्य जगत सिह बिजेनदर राजवीर सिह सहित दर्जनों किसान उपस्थित रहे।

रेखा गुप्ता को दी बधाई

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र के संयोजक प्रणीत भाटी ने दिल्ली में रेखा गुप्ता को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाये जाने पर बधाई दी है।

उन्होंने कहा कि रेखा गुप्ता आज दिल्ली की मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगी। रेखा गुप्ता को उन्होंने अग्रिम बधाई दी और कहा कि अब दिल्ली के विकास में रफ्तार पकड़ेगी। प्रणीत भाटी ने कहा कि आम आदमी पार्टी एवं कांग्रेस ने दिल्ली की हालत को खराब कर दिया है।

बार एसोसिएशन की हुई बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जनपद दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन गौतमबुद्धनगर की कार्यकारिणी की मीटिंग अध्यक्ष प्रमेन्द्र सिंह भाटी एडवोकेट की अध्यक्षता में आहुत की गई, तथा संचालन सचिव अजीत नागर (दुजाना) एडवोकेट द्वारा किया गया। जिसमें निम्न प्रस्ताव पारित किया गया।

अधिवक्ता अधिनियम 1961 में संशोधन बिल 2025 के अधिवक्ताओं के अधिकारों के दमन करने वाला बिल है।

जिसका जनपद दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन, गौतमबुद्धनगर कडा विरोध करती है, अध्यक्ष ने उ0 प्र0 बार कौसिंल के चेयरमैन शिव किशोर गौड़ से दूरभाष पर वार्ता की गयी, वार्ता के कम में 21.02.2025 को समस्त प्रदेश की बार एसोसिएशन द्वारा विरोध स्वरूप जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया जायेगा।

ओला इलैक्ट्रिक रोडस्टर एक्स श्रृंखला के साथ ई-मोटरसाइकिल बाजार में उतारी

नोएडा (चेतना मंच)। ओला इलैक्ट्रिक रोडस्टर एक्स श्रृंखला के साथ इलैक्ट्रिक मोटरसाइकिल खंड में उतर गई है। कंपनी ने स्केलेबल मोटरसाइकिल मंच पर निर्मित रोडस्टर एक्स श्रृंखला के 2.5 केडब्ल्यूए, 3.5 केडब्ल्यूएच और 4.5 केडब्ल्यूएच संस्करण पेश किए। इनकी कीमत क्रमश: 74,999 रुपए, 84, 999 रुपए और 94,999 रुपए है।

ओला इलैक्ट्रिक के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक भविष अग्रवाल ने कहा, 'मोटरसाइकिल भारत के परिवहन परिदृश्य के केंद्र में है।

अपनी इलैक्ट्रिक मोटरसाइकिल के साथ हम भारतीय परिवहन के मूल में ईवी क्रांति को और गहराई तक ले जा रहे हैं।' कंपनी ने कहा कि रोडस्टर श्रृंखला तीन साल 50,000 किलोमीटर की मानक वारंटी के साथ आती है।

'रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली की दशा-दिशा बदलेगी'

नोएडा (चेतना मंच)। दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता के पदभार संभालने पर एफसीए प्रदीप कुमार ठाकुर ने उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं। प्रदीप कुमार ठाकुर ने कहा कि रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली में और भी सुधार होंगे और दिल्लीवासियों को नई दिशा मिलेगी।

उन्होंने कहा कि रेखा जी के मुख्यमंत्री बनने से दिल्ली में न सिर्फ़ प्रशासनिक सुधार होंगे, बल्कि समाज के हर वर्ग के लिए विकास और समृद्धि के नए अवसर भी खुलेंगे। प्रदीप कुमार ठाकुर दिल्ली के रमेश

नगर में एक चार्टर्ड एकाउंटेंट होने के साथ साथ ALL INDIA SLUM FOUNDATION के दिल्ली प्रदेश महासचिव भी हैं।

उधर राष्ट्रीय लोकदल के नोएडा विधानसभा अध्यक्ष बी0 एल0 अग्रवाल ने दिल्ली की नवनियुक्त मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को बधाई देते हुए शीर्ष नेतृत्व का भी दिल्ली को कुशल नेतृत्व प्रदान करने पर आभार जताया।

अग्रवाल ने कहा की रेखा गुप्ता सबसे उपयुक्त मुख्यमंत्री साबित होंगी और इनके शासन में दिल्ली अपना स्वर्ण काल देखेगी। जैसा विकास दिल्ली का होना चाहिए था वह अब रेखा गुप्ता जी के नेतृत्व में ही संभव होता दिख रहा है।

बी0 एल0 अग्रवाल ने यह भी बताया की दिल्ली को एक ऐसी सशक्त मुख्यमंत्री मिलने जा रही हैं जो दिल्ली के विकास में मील का पत्थर साबित होगी।

मुख्यमंत्री के बयान की निंदा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी पार्टी अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश सचिव चौधरी हसरुद्दीन खान ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा दिए गए गत दिवस विधानसभा में कठमुल्ला वाले बयान पर नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ एक ऐसे संवैधानिक पद पर हैं जिन्हें यह बयान शोभा नहीं देता है। उन्होंने कहा कि ऐसे बयान से समाज एवं प्रदेश में माहौल खराब होता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को इस बयान को वापस लेना चाहिए। चौधरी हसरुद्दीन खान ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऐसा बयान देकर अब संघर्ष समाज के जिलों को आहत करने का काम किया है।

ब्रजवीर सिंह के निधन पर दी श्रद्धांजलि

नोएडा (चेतना मंच)। सीपीआई (एम) दादरी पार्टी ब्रांच के सदस्य कामरेड ब्रजवीर सिंह गांव कैलाशपुर का आज सुबह निधन हो गया। ब्रजवीर सिंह युवाओं के रोजगार के लिए सैमसंग पर किए गए किसान सभा के नेतृत्व में आंदोलन के दौरान जेल भी गए थे।

पृष्ठ एक के शेष....

मैं रेखा गुप्ता...

रेखा गुप्ता ने शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचे एनडीए से जुड़े सभी राजनैतिक दलों के नेताओं का स्वागत किया।

शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडनवीश, उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान, अजीत पंवार, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, केशव प्रसाद मौर्य, गोवा के सीएम प्रमोद सावंत, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा व दिल्ली प्रदेश भाजपा के सभी वरिष्ठ नेता, सांसद व विधायक मौजूद रहे।

वरिष्ठ प्रबंधक व ...

बता दें कि करीब 2-3 वर्ष पूर्व सदरपुर बारातघर में विद्युत संबंधी कार्य के लिए 40 लाख रूपये का टेंडर सिद्धि एनर्जी को दिया गया था। ठेकेदार ने कार्य नहीं कराया तथा वरिष्ठ प्रबंधक ने उसे 40 लाख रूपये का भुगतान भी कर दिया।

इसका खुलासा तब हुआ जब सांसद डा. महेश शर्मा तथा विधायक पंकज सिंह द्वारा बारातघर के उदघाटन करने की तिथि तय की गई। इससे पूर्व तैयारियों का जायजा लेने जब महाप्रबंधक आरपी सिंह मौके पर पहुंचे तो देखा कि विद्युत संबंधी कोई कार्य नहीं हुआ है। पूछने पर वरिष्ठ प्रबंधक ने उन्हें यह कहकर गुमराह किया कि कार्य हो चुका है। अब इस मामले में वरिष्ठ प्रबंधक व ठेकेदार पर गाज गिरनी तय है।

योगी सरकार का...

इस रिपोर्ट में उत्तर प्रदेश को अग्रणी राज्य की श्रेणी में रखा गया है। राजकोषीय स्थिति जो वर्ष 2014 से 2019 की अवधि में 37.0 थी, 2022-2023 में बढ़कर 45.9 हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार, व्यय की गुणवत्ता में व्यापक सुधार हुआ है। वर्ष 2018 से 2023 की अवधि में पूंजीगत व्यय, कुल व्यय के 14.8 प्रतिशत से 19.3 प्रतिशत के बीच रहा।

वित्तीय वर्ष 2018-2019 में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण पर व्यथ कुल व्यय का 4.9 प्रतिशत था जो वर्ष 2022-2023 में बढ़कर 6.5 प्रतिशत हो गया, जो देश के प्रमुख राज्यों में सर्वाधिक था। प्रदेश का राजकोषीय घाटा निर्धारित सीमा के अधीन रहा है। राजस्व बचत तथा प्राथमिक बचत के कारण सकल राज्य घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में ऋणग्रस्तता में कमी दर्ज की गई। सुरेश खन्ना ने आगे कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा राज्यों के बजट के संबंध में वित्तीय वर्ष 2024-2025 में प्रकाशित अध्ययन रिपोर्ट के कुछ मुख्य बिन्दु में इस सम्मानित सदन के समक्ष प्रस्तुत करना चाहूंगा। देश के सभी राज्यों की स्वयं के कर की प्राप्तियों में उत्तर प्रदेश का अंश वर्ष 2022-2023, 2023-2024 एवं 2024-2025 में क्रमश: 9.9 प्रतिशत, 10.5 प्रतिशत एवं 11.6 प्रतिशत रहा जो महाराष्ट्र के उपरान्त देश में सर्वाधिक है।

उक्त वर्षों में सभी राज्यों में राजस्व प्राप्तियों के सापेक्ष ब्याज पर व्यय क्रमश: 12.6, 12.3 एवं 12.1 प्रतिशत रहा जबकि उत्तर प्रदेश में यह प्रतिशत 10.3, 9.4 एवं 8.9 रहा।

सकल राज्य घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में सभी राज्यों की स्वयं के कर से प्राप्ति का औसत उक्त वर्षों में क्रमश: 6.5, 7.0 तथा 7.2 प्रतिशत रहा, जब कि उत्तर प्रदेश में यह अनुपात क्रमश: 7.6, 9.8 तथा 10 प्रतिशत रहा।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि कानून व्यवस्था, बिजली आपूर्ति में सुधार हुआ है। यूपी में निवेश सारथी, निवेश मित्र, ऑनलाइन प्रोत्साहन लाभ प्रबंधन प्रणाली जैसी डिजिटल सुविधाओं से निवेश प्रक्रिया में पारदर्शिता आई है, जिससे निवेशकों का विश्वास बढ़ा है। राज्य में व्यापार करने के लिए अनुकूल माहौल दिया गया है।

सुरेश खन्ना ने कहा कि विकसित विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा तैयार करने में उत्तर प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। राज्य में सड़क एवं रेल नेटवर्क की कनेक्टिविटी से उद्योगों एवं मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों को अपना माल भारत एवं विदेशों के बाजारों में भेजने के लिए परिवहन के विभिन्न साधनों की सुविधा मिल रही है।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि हाल के वर्षों में उत्तर प्रदेश में निवेश, औद्योगिक एवं बुनियादी ढांचे के विकास में प्रगति हुई है, उत्तर प्रदेश भारत में सबसे पसंदीदा निवेश स्थल के रूप में उभरा है। राज्य सरकार ने बुनियादी सुविधाओं के लिए विकास कार्य किए हैं। निवेश को लेकर कई नीतियां घोषित की गई है। कारोबारी माहौल में अभूतपूर्व सुधार किया गया है, जिससे प्रदेश की छवि आर्थिक रूप से पिछड़े राज्य से बदलकर एक प्रगतिशील राज्य के रूप में बनी है।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि प्रदेश सरकार के संबंधित विभागों की ओर से सेक्टरवार योजना पर कार्य चल रहा है, जिसकी समीक्षा नियमित रूप से की जा रही है। सुचारू नीति कार्यान्वयन, व्यापार को आसान बनाने, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस तथा निवेश आकर्षित करने के लिए विकास के कार्य के समर्पण भाव से किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार राज्य को एक मुख्य निवेश केंद्र तथा देश के ग्रोथ इंजन के रूप में स्थापित करने के अपने मिशन को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डॉलर बनाए जाने का लक्ष्य रखा

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी ने प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डॉलर बनाए जाने का लक्ष्य रखा है। राज्य सरकार ने 10 सेक्टर में कृषि एवं संवर्गीय सेवाएं, अवस्थापना, उद्योग, आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, शिक्षा, पर्यटन, नगर विकास, वित्तीय सेवाएं, ऊर्जा, पूंजी निवेश आदि चिन्हित करते हुए सेक्टरवार कार्ययोजना तैयार की है।

'अंतिम निवास में जनरेटर...

से एक सीएनजी चैंबर क्रियाशील है। एक सीएनजी चैंबर दो सप्ताह में मरम्मत के उपरान्त क्रियाशील किया जाना अंकित किया गया है। जांच में सामने आया कि जनरेटर खराब होने के कारण सीएनजी चैंबर का लगभग 10 मिनट अक्रियाशील रहना विद्युत एवं यांत्रिक विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक एवं प्रबंधक की लापरवाही को दर्शाता है। ऐसे में खराब जनरेटर को तत्काल ठीक कराने। साथ ही इस प्रकार की लापरवाही भविष्य में न हो इसके लिए वरिष्ठ प्रबन्धक को सचेत करते हुए संबंधित प्रबंधक का वेतन रोकने की संस्तुति की गई है।

रेखा गुप्ता को सीएम...

उन्हें शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन गौतमबुद्धनगर के जिला अध्यक्ष संजय कुमार गोयल ने कहा कि रेखा गुप्ता बहन जी को पदभार देने के लिए शीर्ष नेतृत्व का बहुत-बहुत आभार और नवनिर्वाचित सीएम साहिबा को बहुत-बहुत बधाई, अनंत शुभकामनाएं। इनके साथ ही अग्रवाल मित्र मंडल के अध्यक्ष मुकेश गुप्ता एवं समस्त कार्यकारिणी द्वारा शुभकामनाएं प्रेषित की गई।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

पाकिस्तान और अफगानिस्तान की कांपी धरती

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में भूकंप के एक दिन बाद अब भारत के पड़ोसी देश पाकिस?तान और अफगानिस्तान में धरती कांपी है। लोगों ने आधी रात को भूकंप के तेज झटके महसूस किए। जब लोग गहरी नींद में सो रहे थे, तभी यह तेज भूकंप आया। लोगों के घर की खिड़कियां, बेड सब हिलने लगे। डर के मारे लोग सोते-सोते उठ गए। अपनी जान बचाने के लिए लोगों को घर से बाहर की ओर भागे। गनीमत रही कि इस भूकंप में अबतक जानमाल का नुकसान होने की कोई सूचना नहीं है। सबसे पहले रात 2:40 बजे पाकिस्तान में भूकंप के झटके महसूस हुए। इसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.9 दर्ज की गई। इसके एक घंटे बाद अफगानिस्तान में भूकंप आया। 3:37 बजे अफगानिस्तान में 4.4 की तीव्रता से भूकंप आया। जमीन के नीचे पड़ोसी देश में हुई हलचल का असर उत्तर भारत और जम्मू-कश्मीर में भी देखने को मिला।

संत प्रेमानंद महाराज की रात्रि यात्रा फिर से शुरू

मथुरा । मथुरा के वृंदावन धाम में 10 दिनों के बाद संत प्रेमानंद महाराज की रात्रि यात्रा फिर से शुरू हो गई है। पहले एनआरआई ग्रीन कॉलोनी के निवासियों ने इस यात्रा का ?विरोध ?किया था ?जिसकी वजह से यात्रा बंद करनी पड़ी थी। संत प्रेमानंद महाराज ने देशवासियों का कहा था कि उनकी यात्रा से किसी को भी कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। इसके परिणामस्वरूप, देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं में निराशा फैल गई थी। धीरेन्द्र शास्त्री और अनिरुद्धचार्य ने भी इस मामले में हस्तक्षेप किया था। ब्रजवासी यह तय करने के लिए स्पष्ट किया कि उनका यात्रा के खिलाफ नहीं था, वे केवल आतिशबाजी के खिलाफ थे। एनआरआई सोसायटी के लोगों ने महाराज से भेंट करके यात्रा को फिर से शुरू करने की मांग की और बताया कि यात्रा न होने से भक्त और ब्रजवासी निराश हैं। संत प्रेमानंद महाराज ने भक्तों को आश्वासन दिया कि उनकी यात्रा फिर से शुरू होगी। सोमवार रात, यात्रा एनआरआई ग्रीन कॉलोनी से आरम्भ होकर केलिकुंज आश्रम तक पहुँची। उसके दौरान प्रेमानंद महाराज के दर्शन करने के लिए हजारों भक्त उत्साहित थे। वे बता रहे थे कि उनकी यात्रा उन्हें आनंद और ऊर्जा प्रदान करती है, उसका स्मरण कराती है और उसकी महत्ता को जागरूक करती है।

अभिनेत्री अवनीत कौर ने माता वैष्णो देवी के किए दर्शन

मुंबई । बॉलीवुड की प्रसिद्ध अभिनेत्री अवनीत कौर ने हाल ही में माता वैष्णो देवी के दरबार में जाकर माता का आशीर्वाद लिया। उन्होंने माता का आशीर्वाद लेने की खुशी साझा की, साथ ही सोशल मीडिया पर ये तस्वीरें शेयर की। अवनीत ने इन तस्वीरों में दिखाया बेहद सुंदर और परंपरागत लुक, जिसमें उनके धार्मिक उत्साह का स्पष्ट अभिव्यक्ति हो रही है। उनके साथ पूरे श्रद्धाभाव से माता रानी के दरबार में उनकी तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर धमाल मचा दिया है। फैंस प्रशंसा कर रहे हैं उनकी भक्ति और समर्पण को, और जय माता दी कहकर उन्हें शुभकामनाएं दे रहे हैं। कहा जा रहा है कि अवनीत इस यात्रा से नई ऊर्जा और आत्मा को शुद्धि प्राप्त करने की कोशिश कर रही हैं।

डंपर और पिकअप वैन में भिड़ंत, 5 की मौत

एजेंसी

भिंड। जिले के जवाहरपुरा गांव के पास नेशनल हाइवे 719 पर दर्दनाक हादसा हो गया है। डंपर और पिकअप वैन की भिड़ंत में 5 की मौत हो गई जबकि 12 लोग घायल है। इन्हे नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना मंगलवार सुबह करीब पांच बजे हुई, जब कुछ लोग एक विवाह समारोह से लौट रहे थे। इनमें से कुछ लोग वैन में बैठे थे और कुछ सड़क पर खड़े थे, तभी अचानक तेज रफ्तार डंपर ट्रक ने उन्हें और उनके वाहन को टक्कर मार दी।

भिंड जिले के एसपी असित यादव ने बताया कि तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य ने बाद में दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि गुस्साए स्थानीय लोगों ने सड़क पर चक्का जाम कर दिया। एसपी ने बताया कि वह अन्य अधिकारियों के साथ स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मौके पर पहुंचे। घटना को अंजाम देने के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया है।सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल के लिए रेफर किया। जबकि मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही हादसे को अंजाम देने वाले डंपर को कब्जे में लेकर दुर्घटनाग्रस्त वैन को सड़क से हटवाया है। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

फरीदकोट में ट्रक से टकराकर बस नाले में गिरी, 5 की मौत

चंडीगढ़। पंजाब के फरीदकोट जिले में ट्रक से टकराने के बाद एक बस बरसाती नाले में गिर गई। इस दुर्घटना में पांच यात्रियों की मौत हो गई और 21 अन्य यात्री घायल हुए हैं। घायलों में दो की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें अमृतसर के लिए रैफर किया गया है।अन्य घायलों का फरीदकोट में इलाज चल रहा है।बताया गया कि मंगलवार की सुबह न्यू दीप ट्रांसपोर्ट कंपनी की बस फरीदकोट से अमृतसर से जा रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस सवारियों से भरी थी। हलका कोहरा व स्पीड होने के कारण बस सामने से आ रही ट्रक से टकरा गई और अनियंत्रित होकर बस पुल की रेलिंग को तोड़ कर नाले में जा गिरी। बस के गिरते ही यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और लोग मदद के लिए चिल्लाने लगे। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचित किया और अपने स्तर पर राहत कार्य शुरू किए। घटना में पांच लोगों की मौत हो गई और 21 लोग घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही जिला उपायुक्त विनीत कुमार और एसएसपी प्रज्ञा जैन मौके पर पहुंचे। एसएसपी प्रज्ञा जैन ने बताया कि हादसे की वजह अभी तक साफ नहीं है। पुल का काम अंडर कंस्ट्रक्शन था। हमारी पहली कोशिश लोगों की जान बचाने की है। इसी बीच 21 घायलों की सूची जारी कर दी गई है, जबकि मृतकों की शिनाख्त खबर लिखने तक नहीं हो सकी थी।

जीबीएस से पुणे में फिर एक मरीज की मौत

महाराष्ट्र में मरने वालों की संख्या हुई 14

एजेंसी

पुणे। महाराष्ट्र में जीबीएस रोग तेजी से फैल रहा है। राज्य के पुणे, सोलापुर, मुंबई, नागपुर, सांगली, कोल्हापुर और धुले में जीबीएस के मरीज पाए गए हैं। पुणे के बाद कोल्हापुर में जीबीएस के कारण 3 मरीजों की मौत हो गई है। इस बीच पुणे में जीबीएस बीमारी के कारण चिंताएं बढ़ गई हैं। पुणे में जीबीएस तेजी से फैल रहा है और फिर एक जीबीएस से पीड़ित मरीज की इलाज के दौरान मौत हो गई। इस प्रकार पुणे में जीबीएस के कारण अब तक 9 लोगों की मौत हो चुकी है। चूँकि इस बीमारी के कारण पुणे में मृत्यु दर सबसे अधिक है इसलिए पुणेवासियों में भय का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जीबीएस ने पुणे में अपना 9वां शिकार बनाया है। पुणे के वाघोली में रहने वाले 34 वर्षीय युवक की जीबीएस बीमारी के कारण मौत हो गई। कुछ दिन पहले यह युवक जीबीएस से संक्रमित हो गया था। उसका ससून अस्पताल में इलाज चल रहा था। इस मरीज को सांस लेने में कठिनाई हो रही थी और उसकी मांसपेशियां बहुत कमजोर थीं। युवक का 3 फरवरी से ससून अस्पताल में इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान भी युवक की पीड़ा कम नहीं हुई, बल्कि उसकी पीड़ा और बढ़ती गई। अंततः इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। इस युवक की मौत के बाद पुणे में जीबीएस मरीजों की मौत का आंकड़ा बढ़कर 9 हो गया है।

55 लाख की ब्राउन शुगर के साथ 4 आरोपी गिरफ्तार

एक देसी पिस्तौल, गोला-बारूद और 7.32 लाख की नकदी समेत कई वाहन जब्त

एजेंसी

पुरी । ओडिशा के पुरी में पुलिस ने चार अंतर-जिला ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है। तस्करों के पास से 55 लाख रुपए के 538.5 ग्राम ब्राउन शुगर, एक देसी पिस्तौल, गोला-बारूद और 7.32 लाख की नकदी समेत कई वाहन जब्त किए हैं। खुफिया सूचना से पता चला है कि डीएसपी सिटी पुरी के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम ने लोकनाथ रोड के सामने स्थित एक चार पहिया वाहन पार्किंग क्षेत्र में छापेमारी की थी। टाउन पुलिस स्टेशन के एसआई श्रीकांत साहू की देखरेख में की गई कार्रवाई में चिंटू उर्फ सुमंत सुंदरा, सुबेद, इम्टु उर्फ एसके इम्तियाज, बापू उर्फ सत्यजीत दास को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि एक आरोपी भागने में कामयाब रहा। पुरी के पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस को सभी आरोपियों की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस ने मौके पर छापा मारा और ब्राउन शुगर बरामद किया गया।

आरोपियों के पास से ब्राउन शुगर, एक देसी पिस्तौल, गोला-बारूद और 7.32 लाख की नकदी समेत कई वाहन जब्त किए गए हैं। गौरतलब है ?कि आरोपी खोरधा और बालासोर सहित कई जिलों में संचालित एक बड़े ड्रग सिंडिकेट का हिस्सा हैं। जांच से पता चला है कि उन्होंने पश्चिम बंगाल से ब्राउन शुगर खरीदी और पुरी पहुंचने से पहले बालासोर, भद्रक, जाजपुर, कटक और भुवनेश्वर के रास्ते इसे ले गए। पुरी पु?लिस पकड़े गए ड्रग तस्करों को कोर्ट में पेश करेगी। साथ ही पुलिस की टीम उनके रैकेट के अन्य सदस्यों की भी तलाश कर रही है।

यूपी में बजट सत्र में सपा का प्रदर्शन

लखनऊ। बजट सत्र के पहले दिन सपा ने अनोखे रूप में प्रदर्शन किया। इस दौरान सपा विधायक हाथ पैरों में जंजीर पहनकर प्रदर्शन किया। अतुल प्रधान ने बजट सत्र में शामिल होने से पहले कहा, योगी सरकार बताती है कि विश्व में लगातार देश का डंका बज रहा है। हमारे भारतीय लोग, जिन्हें 40 घंटा जंजीरों में जकड़कर रखा गया। अमेरिका से उन्हें बेरहमी से डिपोर्ट किया गया।वहीं सपा नेता रविदास मेहरोत्रा ने कहा, कि हम राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान विरोध करने वाले हैं, क्योंकि वे योगी सरकार की झूठी प्रशंसा करेंगी, यह सरकार परीक्षा लीक कराती थी। उन्होंने आरोप लगाए कि ये सरकार सभी मोर्चों पर विफल है।

महाराष्ट्र में शिंदे के 20 विधायकों की वाई-सुरक्षा वापस ली

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन में दरार पढ़ने की अटकलों के बीच सीएम देवेंद्र फडणवीस के अधीन गृह विभाग ने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के 20 विधायकों की वाई-सुरक्षा वापस ले ली है। हालांकि बीजेपी और अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के कुछ विधायकों की सुरक्षा भी कम की गई है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों ने बताया कि इन विधायकों को वाई-सुरक्षा कवर एक अतिरिक्त भत्ते के रूप में दिया गया था, जबकि वे मंत्री नहीं हैं। इन विधायकों को 2022 में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना से अलग होने के बाद प्रदान किया था, जिसके कारण महा विकास अघाड़ी सरकार गिर गई थी। इस फैसले से शिंदे सेना और बीजेपी के बीच चल रहा तनाव और बढ़ने की संभावना है और इस नवीनतम कदम को फडणवीस ने अपनी सत्ता स्थापित करने के लिए एक रणनीतिक चाल के रूप में देखा जा रहा है। विधानसभा चुनावों में जीत हासिल करने के कुछ महीनों बाद सत्तारूढ़ सहयोगियों के बीच कलह पर कटाक्ष करते हुए, शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने ट्वीट किया कि महायुति वैलेंटाइन माह मना रही है। नहीं। बीजेपी और शिंदे सेना के बीच गतिरोध, जो रायगढ़ और नासिक के लिए संरक्षक मंत्री पदों को लेकर शुरू हुआ था।

नाइजीरियाई वायु सेना के हवाई हमले में कई नागरिकों की मौत

एजेंसी

अबुजा। नाइजीरिया में विद्रोहियों द्वारा हमले किए जाने के बाद सैन्य बलों ने विद्रोहियों पर हमले किए जिसमें आम नागरिक मारे गए हैं। नाइजीरियाई वायु सेना ने कटसीना राज्य के सफाना क्षेत्र में मारे गए आम नागरिकों की संख्या का खुलासा नहीं किया है, लेकिन सेना के प्रवक्ता ने कहा कि हताहतों की संख्या पता लगाई जा रही है। उन्होंने कहा कि वायु सेना ने पुलिस पर विद्रोहियों के हमले के जवाब में यह हमला किया था।

वहीं अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार समूह ने कहा है कि हवाई हमले में कम से कम 10 लोग मारे गए। हमले को नाइजीरियाई सेना की ओर से मानवाधिकारों के उल्लंघन की कड़ी में नई घटना बताया और सरकार से इसकी स्वतंत्र जांच कराने को कहा है। इस साल यह दूसरी बार है जब नाइजीरिया के अशांत उत्तर-पश्चिमी इलाके में सैन्य हवाई हमले में आम नागरिक मारे गए हैं। नाइजीरिया की सेना अक्सर देश के उत्तरी हिस्से में अस्थिरता पैदा करने वाले चरमपंथियों का खात्मा करने के लिए हवाई हमले करती है। 2017 से अब तक हवाई हमलों में करीब 400 नागरिक मारे जा चुके हैं।

अयोध्या राम मंदिर की बढ़ाई गई सुरक्षा

अयोध्या । अयोध्या में राम मंदिर परिसर में ड्रोन गिरने की घटना से हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि यह ड्रोन 3 नंबर गेट के पास उड़ रहा था, तभी एंटी-ड्रोन सिस्टम की मदद से मार गिरा दिया गया। इस घटना के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां ने जांच शुरू कर दी गई है। सोमवार शाम जब श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रामलला दर्शन के लिए आई थी, तभी मंदिर परिसर में एक ड्रोन गिरने की घटना सामने आई। पुलिस ने तुरंत ड्रोन को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में यह आशंका है कि भीड़ में भगदड़ मचाने के मकसद से यह हरकत की गई हो।

अमेरिका का अरबों-खरबों का सोना गायब, देश में मची हलचल

- लोग पूछ रहे सवाल, राष्ट्रपति ट्रंप और मस्क कराएंगे जांच

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका का अरबों-खरबों का सोना गायब हो गया है? क्या सच में अमेरिका के पास सोना नहीं है? यह चर्चा सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। इसमें टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क की भी एंट्री हो गई है। अमेरिका के फोर्ट नॉक्स में भारी मात्रा में सोना रखा है। यहां 4580 टन सोना रखे होने का अनुमान है। इसकी कीमत 425 अरब डॉलर यानी करीब 37 लाख करोड़ रुपए आंकी गई है। सरकार ने इसकी कीमत 42.22 डॉलर प्रति औंस तय की है जिसे बहुत समय से अपडेट नहीं किया गया है। फोर्ट नॉक्स एक सुरक्षित जगह है जहां अमेरिका का ज्यादातर सोना रखा है। मस्क का डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) सरकारी खर्चों में कटौती करने में लगा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों को शक है कि फोर्ट नॉक्स में उतना सोना है भी या नहीं जितना बताया जा रहा है। इन अफवाहों में मस्क और रिपब्लिकन सीनेटर रैंड पॉल का नाम भी सामने आ रहा है। मस्क फोर्ट नॉक्स जाकर इसकी जांच कर सकते हैं। सोशल मीडिया पर एक यूजर ने लिखा कि बहुत अच्छा होगा अगर फोर्ट नॉक्स के अंदर झांककर देख लें कि 4580 टन अमेरिकी सोना वहां है भी या नहीं। आखिरी बार किसी ने इसे 50 साल पहले 1974 में देखा था। इस पर मस्क ने कहा कि जरूर, इसकी साल में कम से कम एक बार तो जांच होती होगी? यूजर ने जवाब दिया होनी चाहिए लेकिन होती नहीं है। रैंड पॉल ने भी मस्क को जवाब दिया, नहीं। चलो करते हैं। फोर्ट नॉक्स में कितना सोना है, इसे लेकर पहले भी सवाल उठे हैं। रैंड पॉल के पिता रॉन पॉल टेक्सास से रिपब्लिकन कांग्रेसी और तीन बार राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार रह चुके हैं। उन्होंने डॉलर को फिर से सोने से जोड़ने की वकालत की थी।

कयाकिंग कर रहे युवक को व्हेल ने निगला

युवक के पिता ने घटना को कैमरे में किया कैद

एजेंसी

सैंटियागो। चिली के बहिया एल अगुइला इलाके में व्हेल मछली ने कयाकिंग कर रहे युवक के एड्रियन सिमांकस को निगल लिया और फिर कुछ सेकंड बाद उगल भी दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। एड्रियन अपने पिता डेल के साथ स्ट्रेट ऑफ मैगलन के पास बहिया एल अगुइला में कयाकिंग कर रहा था तभी अचानक विशाल हंपबैक व्हेल ने पानी से बाहर आकर एड्रियन को निगल लिया। डेल तब उससे कुछ मीटर की दूरी पर थे। उन्होंने इस डरावनी घटना को कैमरे में कैद किया और अपने बेटे को शांत रहने के लिए कहते रहे। एड्रियन ने एक इंटरव्यू में बताया कि उसे

अचानक पीछे से कुछ टकराता हुआ महसूस हुआ, जिसने मुझे अंदर की ओर खींचा। जब मैंने आंखें खोलीं, तो मैंने खुद को व्हेल के मुंह में पाया। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने चेहरे पर कुछ चिपचिपा सा महसूस हुआ। चारों ओर सिर्फ गहरा नीला और सफेद रंग दिखाई दे रहा था। उस पल उसने सोचा कि अगर इसने मुझे पूरी तरह निगल लिया तो क्या कर सकता हूं। उससे लड़ नहीं सकता था, इसलिए कुछ सोचने की जरूरत थी। एड्रियन ने कहा कि उसे कुछ सेकंड के लिए लगा कि वह मर गया है लेकिन व्हेल ने अचानक उसे मुंह से उगल दिया और वह पानी की सतह पर आ गया। सतह पर पहुंचने के बाद एड्रियन अपने पिता के पास तैरकर पहुंचा और दोनों सुरक्षित तट पर लौट आए। डेल ने कहा कि उन्हें कुछ समय के लिए डर लगा, लेकिन जब उन्हें उसे पानी से बाहर आते देखा, तब जाकर राहत की सांस ली। इस डरावनी घटना के बावजूद एड्रियन और उनके पिता डेल ने कहा कि वे कयाकिंग एडवेंचर्स को जारी रखेंगे।

राइटर मनोज संतोषी की हालत खराब

मुंबई। भाबीजी घर पर हैं और हप्पू की उल्टन पलटन जैसे टीवी शो के लेखक मनोज संतोषी अस्पताल में भर्ती हैं। वह गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं। उन्होंने शो एफआईआर के भी कुछ एपिसोड्स लिखे थे, जिसमें कविता कौशिक ने लीड रोल निभाया था। ऐसे में कविता ने एक पुराना वीडियो शेयर कर मनोज संतोषी की गंभीर हालत के बारे में बताते हुए फैंस से उनके लिए दुआ करने की बात कही है। कविता ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर मनोज संतोषी का जो वीडियो शेयर किया है उसमें वह दोस्तों के लिए गाना गाते दिख रहे हैं।इस वीडियो के साथ कविता ने लिखा- जिस राइटर ने पूरे देश को दशकों तक हंसाया वह आज जिंदगी से जंग लड़ रहे हैं।

मध्य प्रदेश में शराब दुकानों की नवीनीकरण की प्रक्रिया शुरू

- नियम में बदलाव कर ठेकेदारों पर नकेल लगाने की तैयारी

एजेंसी

भोपाल। मध्यप्रदेश में शराब दुकानों के 930 समूहों के नवीनीकरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। आबकारी विभाग ने इस बार समूह बनाने के नियम में संशोधन किया है। अब नवीनीकरण और लाटरी के बाद ई-टेंडरिंग में विभाग एक ही जिले या कई जिलों की बची हुई दुकानों का समूह बना सकेगा। पहले केवल एक ही क्षेत्र की दुकानों को समूह में शामिल किया जाता था। दरअसल कई बार ठेकेदार जानबूझकर कुछ दुकानों का नवीनीकरण नहीं करते थे और

बाद में ई-टेंडरिंग में कम मूल्य पर उन्हीं दुकानें ले लेते थे। इस गडबड़झाले को रोकने के लिए आबकारी विभाग ने संशोधित नीति लागू की है। अब यदि नवीनीकरण और लाटरी के बाद विभिन्न क्षेत्रों में दुकानें बचाती हैं, तब उन्हें जोड़कर एक नया समूह बनेगा और ई-टेंडरिंग के जरिए नीलामी की जाएगी। इससे ठेकेदारों को डर रहेगा कि उनके क्षेत्र में कोई नया ठेकेदार प्रवेश कर सकता है, जिससे वे नवीनीकरण-लाटरी में ही ठेका ले लेने वाले है। 80 प्रतिशत राजस्व प्राप्त होने पर नवीनीकरण होगा। वहीं कम राजस्व प्राप्त होने पर 22 से 27 फरवरी के बीच नए आवेदन बुलाए जाएंगे और लाटरी के माध्यम से ठेके दिए जाएंगे। इतना ही नहीं बची हुई दुकानों के लिए 4 मार्च से ई-टेंडरिंग से नीलामी होगी।

गन्ने की अधिक पैदावार के लिए किसान अच्छी प्रजाति की करें बुवाई

एजेंसी

मुबारिजपुर । किसान भाई गन्ने की अधिक पैदावार के लिए नई-नई प्रजातियां की बुवाई करें ताकि उनके मनपसंद फसल का लाभ मिले त्रिवेणी शुगर मिल चंदनपुर ने इस बार रिजेक्ट प्रजातियों को बंद कर दिया और सर्वे नहीं करने का भी आदेश जारी किया है बताया कि रिजेक्ट प्रजाति की बुवाई पर प्रतिबंध लगाया है कुछ अगेती प्रजाति के गन्ने की बुआई करे किसान भाइयों से अपील की गई है अधिक से अधिक क्षेत्रफल में अगेती प्रजाति जैसे को. 0118, 98014, 15023 व 14201 सहित अन्य कई गन्ने की बैरायटियों की बुआई करें। इससे किसानों एवं चीनी मिल को अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त होगा। चन्दनपुर चीनी मिल किसानों की हितैषी रही है। चीनी मिल द्वारा समय समय पर गन्ना भुगतान किया जाता है किसान हितों को लेकर विभिन्न आयोजन किए जाते हैं। उन्होने बताया कि पेराई सत्र 2024-25 की सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पेराई के दौरान किसानों की समस्या के समाधान हेतु किसान समस्या समाधान केंद्र व कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा। जिसमें गन्ना पेराई के दौरान किसानों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा। उल्लेखनीय यह है कि कुछ किसानों ने इस बार अपने मिल के गन्ने को दूसरे चीनी मिल पर पहुंचा है जबकि मिल में उन किसानों का बायोडाटा रिकॉर्ड किया जा चुका है।

चंदनपुर चीनी मिल सदैव किसान हितैषी रही है इस बार रिजेक्ट वैरायटी का सर्वे नहीं होगा बार-बार आग्रह किया जा रहा है कि किसान भाई अच्छी उपज हेतु गन्ने की वैरायटी की ही बुवाई करें जिससे मनपसंद फसल का लाभ मिले जहां की जलवायु के लिए अत्यंत उपयुक्त है इसे सीबीआर (सेंट्रल बायोटेक्नोलॉजी रिसर्च) से स्वीकृति भी मिल चुकी है।

उपाध्यक्ष आमोद कुमार शर्मा त्रिवेणी शुगर मिल चंदनपुर।

मिल का मैनेजमेंट बहुत अच्छा है जबकि क्षेत्र में इसका ग्राफ बढ़ रहा है अपनी चीनी मिल गन्ना भुगतान में पहले नम्बर पर रहती है किसान मिल से पूछताछ करके गन्ने की बुवाई करे रिकवरी वाले इस गन्ने की विशेषता यह है कि इसमें मिठास और उत्पादन क्षमता दोनों ही अधिक होती है।

अमेज कुमार एच आर त्रिवेणी शुगर चीनी मिल चंदनपुर।

इस बार कुछ किसानों ने गन्ने की आवक को कम कर दिया आने वाले समय में गांव-गांव जाकर इसका सर्वे किया जाएगा किसान रिकवरी वाले गन्ने की वैरायटी का ही उपयोग करें आगामी सत्र में चीनी मिल रिजेक्ट वैरायटी नहीं लेगी।

आर एस सेहरावत जीएम त्रिवेणी चीनी मिल चंदनपुर।

चीनी मिल की ओर से प्रत्येक क्षेत्र में सुपरवाइजर हैं जो किसानों को दिशा निर्देश देते हुए अच्छी उपज वाली वैरायटी बुवाई करने में मदद करेंगे हमें आशा है कि किसान अच्छी उपज वाली वैरायटी की बुवाई करें।

एके तिवारी त्रिवेणी चीनी मिल चंदनपुर।

पियर्सन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर विमान हादसा, 17 घायल

एजेंसी

टोरंटो। पियर्सन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर डेल्टा एयरलाइंस का एक विमान क्रैश हो गया, जिसमें कम से कम 17 लोग घायल हो गए। विमान में 80 लोग सवार थे। रिपोर्ट के मुताबिक डेल्टा फ्लाइट 4819, बफीलें रनवे पर फिसल कर पलट गया। घटना स्थल पर तीन हेलीकॉप्टर और दो क्रिटिकल केयर ग्राउंडएंबुलेंस को तैनात किया गया है। यह दुर्घटना तब हुई है जब वीकेंड पर एक शक्तिशाली तूफान ने इस इलाके को प्रभावित किया था विमान ने मिनियापोलिस से सुबह 11:47 बजे उड़ान भरी थी। ऑनलाइन शेयर की गई तस्वीरों में विमान उल्टा दिख रहा है। ओंटारियो की एयर एम्बुलेंस सेवा ह्यऑरेंजह्व के मुताबिक तीन मरीजों को गंभीर हालत में ओंटारियो के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसमें एक बच्चा, 60 वर्षीय एक पुरुष और 40 वर्षीय एक महिला शामिल हैं।रिपोर्ट के मुताबिक एयरपोर्ट पर लगभग 9 इंच बर्फबारी हुई। इसके बाद रनवे को साफ करने के लिए रखरखाव टीमों ने रविवार रात तक काम किया। टोरंटो पियर्सन एयरपोर्ट ने एक बयान में एक्स पर कहा, हमें मिनियापोलिस से आने वाली डेल्टा एयरलाइंस के विमान दुर्घटना के बारे में पता चला है।

खास खबर

दक्षिण अफ्रीका लौटे गेंदबाजी कोच मॉर्कल

दुबई । भारतीय क्रिकेट टीम के गेंदबाजी कोच कोच मोर्ने मॉर्कल पिता के निधन के कारण दक्षिण अफ्रीका लौट गये हैं। इस प्रकार चैम्पियंस ट्रॉफी शुरू होने से पहले ही भारतीय टीम को एक झटका लग गया है। भारतीय टीम अपना पहला मुकाबला 20 फरवरी को बांग्लादेश से खेलेगी। पिछले साल सितंबर में गौतम गंभीर के मुख्य कोच बनने के बाद ही मॉर्कल को गेंदबाजी कोच बनाया गया था। उनके आने के बाद भारतीय टीम की गेंदबाजी बेहतर हुई है। मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के टीम में नहीं होने से कोच के तौर पर उनकी भूमिका और भी अहम हो गयी है। वह टीम के पहले अभ्यास सत्र में भी शामिल हुए थे। भारतीय टीम जब अपने दूसरे अभ्यास सत्र में भाग ले रही थी तब तक वह स्वदेश वापस लौट गये थे। एक रिपोर्ट के अनुसार पिता के निधन की खबर मिलते ही वह अपने घर दक्षिण अफ्रीका रवाना हो गए, वह कब वापस आयेंगे कहा नहीं जा सकता। ऐसे में भारतीय टीम के साथ चैंपियंस ट्रॉफी में गेंदबाजी कोच रहेगा या नहीं ये अभी पता नहीं चला है।

लैनिंग ने बताया हार का कारण

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान मेग लैनिंग रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में मिली हार से बेहद निराश नजर आयीं। लैनिंग ने कहा कि अच्छी शुरूआत के बाद भी हमारी टीम लय बरकरार नहीं रख पायी। भाग्य ने हमारा साथ नहीं दिया। इस मैच में उनकी टीम ने पहले खेलते हुए 141 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को आरसीबी ने कप्तान स्मृति मंधाना के 81 रन की सहायता से जल्दी ही हासिल कर लिया। लैनिंग ने कहा कि आरसीबी ने बीच के दौर में अच्छी गेंदबाजी करके मैच से हमें बाहर कर दिया। गेंदबाजी के दौरान हम नई गेंद का भी हम लाभ नहीं उठा पाये आरसीबी की बल्लेबाजी भी अच्छी रही। कप्तान ने कहा कि दोनों टीमों के बीच आज अच्छी टक्कर हुई। इसमें आपको बस मैच जीतने का तरीका तलाशने की जरूरत थी। हमें बहुत जल्द वापसी का अवसर मिलने की संभावना है।

फर्ग्यूसन चैम्पियंस ट्रॉफी से हुए बाहर

दुबई । आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूनार्मेंट शुरू होने से एक दिन पहले ही न्यूजीलैंड को करारा झटका लगा है। उसके एक प्रमुख तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन चोटिल होने के कारण टूनार्मेंट से बहार हो गये है। न्यूजीलैंड को इस टूनार्मेंट में अपना पहला मुकाबला बुधवार को मेजबान पाकिस्तान से खेलना है। फर्ग्यूसन की जगह अब तेज गेंदबाज काइल जैमीसन को कीवी टीम में शामिल किया गया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने कहा है कि कराची में अफगानिस्तान के खिलाफ अभ्यास मैच में गेंदबाजी के दौरान फर्ग्यूसन को अपने दाहिने पैर में कुछ दर्द महसूस हुआ जिसकी जांच में पता चला कि वह टूनार्मेंट ही नहीं खेल पायेंगे। बोर्ड के अनुसार फर्ग्यूसन को रिहैब शुरू करने के लिए घर भेजा जाएगा।
वहीं जैमीसन टीम में उनकी जगह लेंगे पर वह पाकिस्तान के खिलाफ 19 फरवरी को होने वाले मैच में नहीं खेलेंगे।

चौथे मैच में आरसीबी ने दिल्ली कैपिटल्स को 8 विकेट से हराया

एजेंसी

वडोदरा। महिला प्रीमियर लीग 2025 के चौथे मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने दिल्ली कैपिटल्स को 8 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही आरसीबी ने टूनार्मेंट में अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज की और अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। वडोदरा के कोटाम्बी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में आरसीबी की कप्तान स्मृति मंधाना ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। दिल्ली की टीम पहले बल्लेबाजी करने उतरी लेकिन शुरूआत अच्छी नहीं रही। टीम ने 19.3

ओवर में 141 रन बनाए। जेमिमा रोड्रिग्स ने सबसे ज्यादा 34 रन बनाए, जबकि सारा ब्राइस ने 23 रन जोड़े। आरसीबी की ओर से वेयरहैम ने तीन-तीन विकेट झटके, जबकि किम गर्थ और एकता बिष्ट ने दो-दो विकेट चटकाए। दिल्ली की ओर से मिले 142 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी की टीम ने मजबूत शुरूआत की। स्मृति मंधाना ने 81 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें उन्होंने 47 गेंदों में 10 चौके और 3 छक्के लगाए। डेनिएल व्याट-हॉज ने भी 42 रनों का योगदान दिया। टीम ने 16.2 ओवर में सिर्फ दो विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।
दिल्ली कैपिटल्स के लिए अरुंधति रेड्डी और शिखा पांडे ने एक-एक विकेट लिया।

जोकोविच ने वापसी करते ही वर्डास्को के साथ हासिल की धमाकेदार जीत

एजेंसी

दोहा। मांसपेशियों की चोट से उबरने के बाद नोवाक जोकोविच ने अपने पहले मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने स्पेन के फर्नांडो वर्डास्को के साथ जोड़ी बनाकर कतर ओपन के युगल वर्ग के पहले दौर में अलेक्जेंडर बुब्लिक और करेन खाचानोव को सीधे सेटों में 6-1, 6-1 से हराया।
यह मुकाबला महज 48 मिनट तक चला, जिसमें 41 वर्षीय वर्डास्को और 37 वर्षीय जोकोविच की जोड़ी पूरी तरह हावी रही। वर्डास्को इस टूनार्मेंट के बाद संन्यास लेने वाले हैं, और यह जीत उनके करियर के अंतिम चरण में एक खास उपलब्धि रही। जोकोविच को पिछले महीने ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ

खेलते हुए बाएं पैर की मांसपेशियों में चोट लग गई थी, जिसके कारण उन्हें मैच से रिटायर होना पड़ा था। अब पूरी तरह फिट होकर कोर्ट पर वापसी करने वाले जोकोविच और वर्डास्को का अगला मुकाबला दूसरी वरीयता प्राप्त ब्रिटिश-फिनिश जोड़ी हेनरी पैटन और हैरी हेलियोवारा से होगा।

राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप का भव्य आगाज

एजेंसी

चेन्नई। चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में सोमवार को 23वीं राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप की भव्य शुरूआत हुई। तमिलनाडु सरकार के समर्थन से आयोजित इस ऐतिहासिक आयोजन का समापन 20 फरवरी को होगा। इस चैंपियनशिप में देशभर से 1,476 पैरा-एथलीटों ने भाग लिया है, जो 30 टीमों के तहत 155 स्पधाओं में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। इस इवेंट को देश की सबसे बड़ी पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में से एक माना जा रहा है। प्रतियोगिता में देश के शीर्ष पैरा-एथलीटों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है, जिनमें टोक्यो पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता सुमित अंतिल (भाला फेंक एफ 64), मरियप्पन थंगावेलु और नवदीप सिंह (भाला फेंक एफ 41) जैसे दिग्गज खिलाड़ी शामिल हैं। यह आयोजन भारतीय पैरालंपिक समिति

और तमिलनाडु पैरालंपिक स्पोर्ट्स एसोसिएशन के संयुक्त प्रयासों से हो रहा है। पीसीआई अध्यक्ष देवेन्द्र झाझरिया ने इस चैंपियनशिप को भारतीय पैरा एथलेटिक्स के लिए एक नया मील का पत्थर बताते हुए कहा,
चेन्नई में यह चैंपियनशिप पैरा खेलों के लिए नए मानक स्थापित करेगी। 155 स्पधाओं में 1,476 एथलीटों की प्रतिस्पर्धा यह दशार्ती है कि भारत में पैरा खेलों की लोकप्रियता और प्रतिस्पर्धात्मकता तेजी से बढ़ रही है। विश्व स्तरीय सुविधाओं और समावेशिता की प्रतिबद्धता के साथ, हम भारतीय पैरा एथलेटिक्स के एक नए युग की ओर बढ़ रहे हैं। चैंपियनशिप के सफल आयोजन में तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री और खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आयोजकों को उम्मीद है कि यह इवेंट देश में पैरा स्पोर्ट्स को और मजबूत करेगा और भविष्य के अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए नए सितारों को तैयार करेगा।

भारतीय टीम इस बार आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी जीतेगी : क्लार्क

एजेंसी

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने कहा है कि भारतीय टीम इस बार आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी जीतेगी। क्लार्क ने कहा है कि भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा इंग्लैंड के खिलास एकदिवसीय सीरीज में शानदार शतक लगाने के साथ ही फार्म में आ गये हैं और वह इस सीरीज में सबसे अधिक रन बनाएंगे। भारतीय टीम को हालांकि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के टीम से बाहर होने के कारण ट्रॉफ का कमजोर दावेदार माना जा रहा है पर क्लार्क इससे

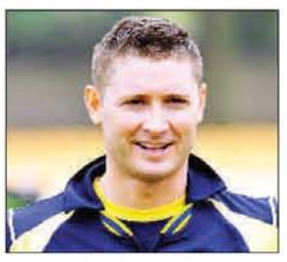

सहमत नहीं हैं। क्लार्क का मानना है कि भारतीय टीम पाकिस्तान और दुबई में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के खिताब को जीतने में कामयाब होगी। इस पूर्व बल्लेबाज ने ये भी कहा है कि रोहित टूनार्मेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बनेंगे। भारतीय टीम ने हाल ही में इंग्लैंड को वनडे सीरीज में 3-0 से हराया था जिससे वह आत्मविश्वास से भरी हुई नजर आ रही है। रोहित ने इस दौरान कटक में खेले गए मैच में 90 गेंद में 119 रन की आक्रामक पारी खेली थी। पिछले कुछ महीनों से खराब फॉर्म से गुजर रहे रोहित ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों में 122 रन बनाए। क्लार्क ने कहा कि रोहित को रन बनाते हुए देखकर अच्छा लगा और उम्मीद है कि वह चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम की ओर से अहम भूमिका निभाएंगे।

बार्सिलोना विवादास्पद जीत के साथ ला लीगा में शीर्ष पर लौटा

एजेंसी

मैड्रिड। एफसी बार्सिलोना ने सोमवार रात को रेयो वैलेकैनो पर 1-0 की संकीर्ण और विवादास्पद जीत के साथ ला लीगा के शीर्ष स्थान पर वापसी की। बार्सा के लिए एकमात्र गोल रॉबर्ट लेवांडोव्स्की ने पेनल्टी के जरिए किया, लेकिन मैच में कई विवादास्पद फैसले देखने को मिले, जिनमें रेयो की पेनल्टी अपील की अनदेखी और एक संदिग्ध ऑफसाइड के चलते उनका गोल खारिज किया जाना शामिल था। पहले हाफ में बार्सिलोना ने अधिक आक्रमण किए, जिसमें लेवांडोव्स्की और रफिन्हा के प्रयास गोल में तब्दील नहीं हो सके। हालांकि, 27वें मिनट में बार्सा को पेनल्टी मिली, जब रेयो के पाथे सिस को इनिगो

मार्टिनेज को रोकने के लिए दोषी ठहराया गया। रेयो के गोलकीपर ऑगस्टो बटाला ने गेंद को पकड़ लिया था, लेकिन रेफरी मेलेरो लोपेज ने फाउल करार देते हुए पेनल्टी दी, जिसे लेवांडोव्स्की ने गोल में बदलकर बार्सा को बढ़त दिला दी। मैच में रेयो के खिलाड़ियों ने रेफरी के फैसलों पर नाराजगी जताई। पेनल्टी से पहले अब्दुल मुमिन पर हेक्टर फोर्ट के स्पष्ट शर्ट-पुल को नजरअंदाज कर दिया गया।

अगले माह होगा सेपक टाकरा विश्वकप

पटना। बिहार पहली बार सेपक टाकरा विश्वकप की मेजबानी करने जा रहा है। ये विश्वकप अगले माह 20 से 25 मार्च तक आयोजित किया जाएगा। इसमें 24 देशों की टीमें लेंगी। पटना के पाटलिपुत्र खेल परिसर में इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन होगाहै। इस आयोजन को लेकर सेपक टाकरा फेडरेशन ऑफ इंडिया और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के बीच एक करार भी हुआ है। हार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण ने बताया कि सेपक टाकरा वर्ल्ड कप का आयोजन बिहार में पहली बार हो रहा है यह बिहार के लिए बहुत खुशी और गर्व की बात है और यह अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। बिहार को इस प्रतियोगिता की मेजबानी का अवसर देने के लिए सेपक टाकरा फेडरेशन ऑफ इंडिया का हम आभार जताते हैं।

भारतीय क्रिकेटरों ने अभ्यास सत्र में जमकर बहाया पसीना

एजेंसी

दुबई । भारतीय टीम आजकल यहां चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट के लिए अभ्यास में जुटी है। इसी के तहत ही दूसरे अभ्यास सत्र में कप्तान रोहित शर्मा, अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली सहित सभी भारतीय खिलाड़ियों ने जमकर पसीना बहाया। भारतीय टीम का पहला मैच बांग्लादेश से गुरुवार को है। इसमें विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर केएल राहुल को अवसर मिलने की संभावना है। इसी को देखते हुए राहुल टीम के नेट सत्र में बड़े शॉट लगाने का अभ्यास किया। पहले मैच में ऋषभ पंत को विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर अवसर मिलने की संभावना कम है। इसी को देखते हुए राहुल पावर हिटिंग करते दिखे। इस टूनार्मेंट में राहुल की भूमिका अंतिम ओवरों में

अहम होगी जहां उन्हें तेज से रन बटोरने होंगे। इसी को देखते हुए उन्हें ह्वारेंज हिटिंग का अभ्यास करते हुए देखा जा सकता था। राहुल के अलावा मध्य क्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर भी आक्रामक बल्लेबाजी कतरे दिखे। वहीं बल्लेबाज शुभमन गिल भी अभ्यास के दौरान अच्छे फार्म में नजर आये और उन्होंने कई अच्छे शॉट लगाये। रोहित ने भी लेट कट सहित अपने सभी पसंदीदा स्ट्रोक खेले। वहीं अनुभवी बल्लेबाज विराट ने भी काफी अभ्यास किया। वहीं इससे पहले रविवार को अभ्यास के दौरान हार्दिक पंड्या के शॉट के कारण ऋषभ के घुटने में गेंद लग गयी थी पर अब वह ठीक हैं। इसी कारण उन्होंने विकेटकीपिंग और क्षेत्ररक्षण का अभ्यास नहीं किया और केवल बल्लेबाजी करते दिखे।

भारतीय टीम के लिए तैयार की गयीं नई पिचें

दुबई। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम के दुबई पहुंचते ही पिचें बदल दी गयी हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि भारत को खराब पिचें नहीं मिलेंगी। भारतीय टीम अपने तीनो लीग मैच दुबई में ही खेलेगी। इसी को देते हुए भारत के लीग मैचों के लिए दो नई पिचें तैयार रखी गई हैं। भारतीय टीम चैम्पियंस ट्रॉफी में अपना पहला मुकाबला 20 फरवरी को बांग्लादेश से खेलेगी। इसके बाद 23 फरवरी को उसका मुकाबला पाकिस्तान से होगा। वहीं 2 मार्च को उसे न्यूजीलैंड से ग्रुप स्तर का मुकाबला खेलना है। तीनों मुकाबले दुबई में होंगे। यहां पिछले एक महीने में पुरुष अंडर-19 एशिया कप और जनवरी-फरवरी में आईएलटी 20 लीग हुआ है।

सीएसके के खिलाफ पहले मैच में नहीं खेलेंगे पांड्या

एजेंसी

मुम्बई । आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस का पहला मुकाबला 23 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से एमए चिदंबरम स्टेडियम में होगा। मुम्बई के कप्तान हार्दिक पांड्या हालांकि इस मैच में नहीं खेल पायेंगे। इसका कारण उनपर पिछले सत्र में लगा एक मैच का निलंबन है। ऐसे में सूर्यकुमार यादव पहले मैच में मुम्बई की कप्तानी करते दिख सकत हैं।
मुंबई इंडियंस का पिछले सत्र में प्रदर्शन काफी खराब रहा था। तब हार्दिक पांड्या पर लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ हुए अंतिम ग्रुप स्टेज मैच के बाद धीमी ओवर

गति के लिए 30 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया था और इसी कारण आईपीएल 2025 में फ्रेंचाइजी के पहले मैच से भी निलंबित कर दिए गए थे।
सीजन में तीसरी बार मुम्बई ओवर गति से पीछे रहा, जिसके कारण उनके कप्तान पांड्या पर एक मैच का प्रतिबंध भी लगाया गया। यही वजह है कि वह इस बार पहले मैच में हार्दिक खेलते हुए नजर नहीं आएंगे। हालांकि उनकी जगह टीम की कमान किसे मिलेगी, इसके बारे में फ्रेंचाइजी ने अभी घोषणा नहीं की है पर माना जा रहा है कि सूर्यकुमार यादव हार्दिक की जगह टीम की कमान संभाल सकते हैं। सूर्यकुमार यादव भारतीय टी20 टीम के कप्तान भी हैं।
सीसीआई ने रविवार आईपीएल के 18वें सीजन का शेड्यूल जारी किया। बीसीसीआई के अनुसार आईपीएल के इस सत्र में 13 स्थानों पर कुल 74 मैच खेले जायेंगे। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 का आगाज ईडन गार्डंस में 22 मार्च को गतविजेता कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के बीच मुकाबले से होगा।

अब चैम्पियंस ट्रॉफी में एक मैच के लिए अपने परिवार को बुला सकेंगे खिलाड़ी

एजेंसी

मुम्बई । आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी का एक मैच देखने के लिए भारतीय खिलाड़ियों का परिवार दुबई जा सकता है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने हाल के ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद कहा था कि लंबे दौरे में ही खिलाड़ियों का परिवार कुछ समय के लिए ही उनके साथ रह सकता है। बीसीसीसी ने ये नियम इसलिए बनाया था ताकि खिलाड़ी खेल पर ही ध्यान केन्द्रित कर सकें। इसी कारण चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए दुबई गयी भारतीय टीम के किसी भी

खिलाड़ी के साथ परिवार नहीं था। वहीं अब बीसीसीआई ने लचीला रुख अपनाते हुए कहा है कि खिलाड़ी एक मैच के लिए अपने परिवार को अपने साथ रख सकेंगे। अभी तक कहा जा रहा था कि चैम्पियंस ट्रॉफी छोटा टूनार्मेंट है। ऐसे में परिवार को खिलाड़ियों के साथ रहने और वीवीआईपी बॉक्स से मैच देखने की अनुमति नहीं होगी! वहीं अब एक रिपोर्ट में बताया गया है कि बीसीसीआई ने केवल एक मैच के लिए परिवार को साथ रखने और मैच देखने की अनुमति दी है। हाल ही में टीम मैनेजमेंट के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया से मुलाकात की थी और उस बैठक के बाद ही ये तय हुआ था कि है कि खिलाड़ी एक मैच के लिए अपने परिवार को दुबई बुला सकते हैं।

भारतीय टीम के पास चैम्पियंस ट्रॉफी जीतने का अच्छा अवसर

एजेंसी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने कहा है कि आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूनार्मेंट में भारतीय टीम के पास जीत का अच्छा अवसर है। चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले धवन ने कहा, मुझे याद है जब मैंने 2013 में पहली बार इसमें खेला था, और तो ये टूनार्मेंट मुझे यह बहुत पसंद आया था, और इस टूनार्मेंट को लेकर इस बार भी भावी विजेता को लेकर काफी चचाएं हैं। मेरी उम्मीदें भारतीय टीम से हैं। जिस प्रकार उसने हाल के दिनों में इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में बहुत अच्छा खेला उससे भी पता चलता है कि टीम अच्छी लय में हैं। धवन का कहना है कि भारतीय टीम मुख्य तेज

गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की कमी किस प्रकार पूरी करेगी ये बड़ा सवाल है। इसका कारण है कि बुमराह मेरे अनुसार विश्व के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं, और उनकी तरह की गेंदबाजी करना आसान नहीं है। धवन को युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। उन्होंने कहा, हर्षित राणा टीम में शामिल हो गए हैं और मुझे लगता है कि यह वाकई रोमांचक है। उन पर नजर रखें, मुझे लगता है कि वह टूनार्मेंट में बेहतरीन प्रदर्शन कर सकते हैं। मुझे उनका आक्रामक गेंदबाजी का अंदाज पसंद है, वह हमेशा आगे बढ़ते रहते हैं और उन्हें किसी भी चीज से डर नहीं लगता। वह चुनौतियों को स्वीकार करते हैं और हमने इंग्लैंड सीरीज में देखा है कि वह फॉर्म में हैं। मुझे भरोसा है कि वह इस अवसर का फायदा उठाने की कोशिश करेंगे और अगर वह ऐसा करते हैं, तो वह भारत के लिए एक बेहतरीन खिलाड़ी साबित हो सकते हैं। धवन ने कहा कि चैम्पियंस ट्रॉफी में भारती की जीत की दावेदारी इसलिए भी पक्की है क्योंकि उसके पास एक संतुलित टीम है,

बांग्लादेश से मुकाबले में मुशफीकुर और महमूद से सावधान रहना होगा

मुम्बई । आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम अपने अभियान की शुरूआत गुरुवार को दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले से करेगी। इस मैच में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है। भारतीय टीम बल्लेबाजी हो या गेंदबाजी हर क्षेत्र में बांग्लादेश से कहीं आगे है पर उसे इस मुकाबले को हल्के में नहीं लेना होगा। इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से भारतीय टीम के बल्लेबाज लय में हैं जिसका लाभ भी उसे मिलेगा। टीम के कप्तान रोहित शर्मा से लेकर विराट कोहली तक फार्म में आ गये हैं। भारतीय टीम को इसके बाद भी बांग्लादेश के दो अनुभवी खिलाड़ी मुशफीकुर रहीम और महमूद उल्लाह से सतर्क रहना होगा। 2017 के सेमीफाइनल में बांग्लादेश की टीम की ओर से इन दोनो ने अहम भूमिका निभाई थी। तब भारत के खिलाफ मुशफीकुर ने 61 रन बनाये थे। अब एक बार फिर मुशफीकुर रहीम और महमूद उल्लाह बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करेंगे। दोनों ही बल्लेबाज बांग्लादेश के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों में शामिल है.

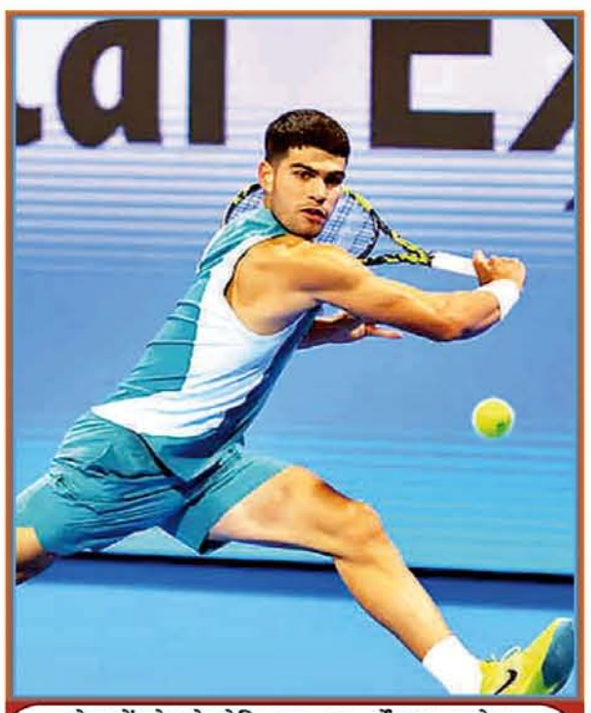

दोहा में स्पेन के टेनिस स्टार कार्लोस अल्कारेज राउंड 32 मैच में खेलते हुए।

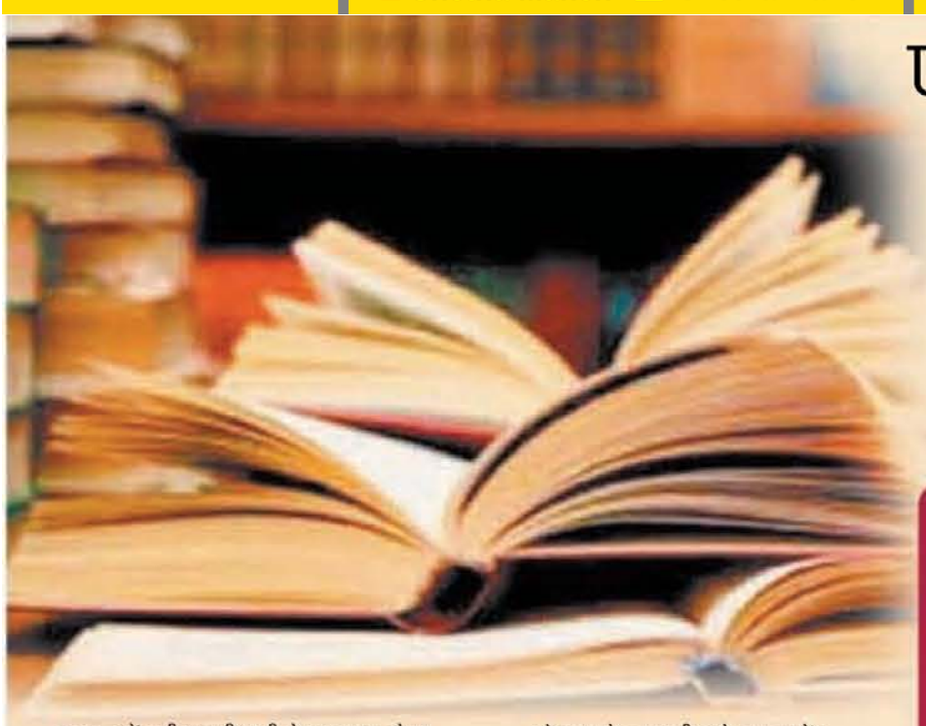

परीक्षा में सफलता पाने का मूल मंत्र

यदि तुम इस बार क्लास में फर्स्ट रैंक पर नहीं आई, तो याद रखना कि तुम्हारे सारे गिफ्ट्स कैंसल..., गोवा का ट्रिप तो कैंसल ही समझना यदि तुमने टॉप नहीं किया..., देखो बेटा कम नंबर लाकर हमारी नाक मत कटवा देना, यदि 90 प्रतिशत नहीं आए तो मनपसंद कालेज में एडमिशन नहीं मिलेगा..., ये सब एग्जाम से पहले हर पेरैंट्स को कहते हुए सुना जा सकता है, जो बच्चों में एग्जाम की टैंशन दोगुना कर देते हैं।

वास्तव में परीक्षा की घड़ी ऐसा समय होता है, जब बच्चे हों या बड़े हर कोई घबरा जाता है। छोटे बच्चों के लिए परीक्षा किसी हौव्वे से कम नहीं होती। एक ओर पेरैंट्स की उनसे अपेक्षाएं और दूसरी ओर उनका चंचल मन, दोनों उनके लिए दुविधा का कारण बन जाते हैं। परीक्षा में जहां तनाव के कारण बच्चों का पढ़ाई में मन नहीं लगता, वहीं दूसरी ओर बच्चों के लिए परीक्षा में अच्छे अंक लाना भी मजबूरी बन जाती है।

सफलता का मूल मंत्र

1 सबसे पहले पढ़ाई करने के लिए एक टाइम टेबल बनाएं और उसी के अनुसार अपनी पढ़ाई करें।
2 पढ़ाई करते वक्त एकाग्रता होनी बहुत जरूरी होती है। इसके लिए सुबह जल्दी उठ कर ध्यान करें, जिससे आपकी एकाग्रता बनी रहे।
3 हर रोज कोई टैस्ट पेपर बना कर एक निर्धारित समय सीमा में उसको हल करने का प्रयास करें। उसके बाद अपनी उत्तर पुस्तिका को जांच कर अपना मूल्यांकन स्वयं करें।
4 लगातार घंटों बैठ कर पढ़ाई करने से बेहतर है कुछ समय एकाग्रचित होकर पढ़ाई की जाए।
5 पढ़ाई के बीच-बीच में दो-तीन घंटे बाद एक ब्रेक अवश्य लें।
6 देर रात तक पढने की अपेक्षा सुबह जल्दी उठ कर पढ़ाई करें।
7 आप चाहें तो अपने दोस्तों के साथ बैठ कर भी पढ़ाई कर सकते हैं।
8 पढ़ाई के दौरान और परीक्षा के लिए जाते समय कभी भी ऐसे नकारात्मक विचार मन में न आने दें कि जो पेपर में आएगा वह हल कर पाऊंगा या नहीं।
9 पूरे आत्मविश्वास के साथ पेपर देने जाएं। इससे पेपर हल करने में काफी मदद मिलेगी।
10 हमेशा यह सोचें कि मेहनत करके आप भी अव्वल आ सकते हैं।
11 परीक्षा में सबसे पहले पूरा प्रश्नपत्र पढ़ें और उसके बाद ही उसे हल करें। हड़बड़ी में प्रश्नपत्र हल करने की भूल न करें।
12 जिस प्रश्न को हल कर रहे हैं, उस पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित रखें। इस दौरान अन्य प्रश्नों के बारे में विचार न करें, परंतु समय का ध्यान जरूर रखें।

न बनाएं दबाव

अपने बच्चे की क्षमता, रुचियों, इच्छा और क्लास में उसकी पोजीशन जानने की पेरैंट्स की कोई इच्छा नहीं रहती तथा बच्चे पर हर संभव तरीके से दबाव डाला जाता है, जिसके परिणामस्वरूप बच्चा बीमार भी हो सकता है तथा फेल होने पर घातक कदम तक उठा लेता है। अत- बच्चे को बिना किसी दबाव के इम्तिहान देने देना ही उसे तनाव मुक्त बनाता है।

उस पर कभी ज्यादा अंक लाने या किसी अन्य बच्चे जैसा बनने का दबाव न डालें। हर बच्चा अपने आप में विलक्षण होता है, बस उसे पहचानने की कोशिश करें। उसे आपके विवेकपूर्ण मार्गदर्शन की आवश्यकता है, इसलिए उसकी असफलताओं पर उसे धिक्कारें नहीं, बल्कि विषम परिस्थितियों में उसे संभले रहने की शिक्षा दें।

प्रेरित करें

हर बच्चे की बुद्धि, योग्यता और दक्षता भिन्न-भिन्न होती है, इसलिए तुलना विपरीत परिणाम सामने ला सकती है। किसी बच्चे पर अधिक अंक लाने के दबाव का परिणाम अक्सर उल्टा होता है। अपने बच्चे को परीक्षा के लिए अधिक से अधिक तैयारी करने के लिए प्रेरित करना तो अच्छी बात है, परंतु उसके लिए लक्ष्य निर्धारित कर प्राप्त करने का दबाव बनाना गलत है।

इससे वह प्रेरित होने की अपेक्षा कुंठित ज्यादा होता है। यदि बच्चा पेरैंट्स की इच्छानुसार परिणाम नहीं ला पाता तो उसे प्रताड़ित न करें। इस बात का विश्वास रखें कि हर बच्चा अपने पेरैंट्स की अपेक्षाओं पर हमेशा खरा उतरने का प्रयास करता है।

बच्चे का संबल बनें

जब वह ऐसा नहीं कर पाता तो वह खुद ही बहुत निराशा, हताशा और आत्मग्लानि महसूस करता है। इस नाजुक समय में बच्चे को पेरैंट्स से संबल की जरूरत होती है। ऐसी स्थिति में बच्चे को अपमानित करने से बचें, क्योंकि यह वह संवेदनशील स्थिति होती है कि बच्चा आत्महत्या जैसे घातक कदम तक उठा सकता है।

बदलें दृष्टिकोण

यदि आशानुरूप परिणाम नहीं आए, तो उसे धीरज बंधाएं और समझाएं कि कोई एक परीक्षा उनके लिए उससे महत्वपूर्ण नहीं है। अभी जीवन बहुत बड़ा है और उसे खुद को सिद्ध करने के अनेक मौके मिलेंगे। अभिभावकों का यह दृष्टिकोण बच्चे को अच्छा प्रदर्शन करने को प्रेरित करेगा।

रखें ध्यान

1 हर बच्चा किसी विशेष प्रतिभा के साथ पैदा होता है। इस बात को समझें व बच्चे को भी समझाएं।
2 अपने बच्चे को कामयाब नहीं, काबिल बनने के लिए पढने को कहें।
3 उसे अपनी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने का साधन मत समझें।
4 उसकी रुचियों और आदतों को समझते हुए उसे समझने का प्रयास करें तथा उसी के अनुरूप करियर चयन में उसका साथ दें।
5 किसी बात को उस पर थोपें नहीं, बल्कि उसे सिर्फ सुझाव दें।

मन में महाभारत

महाभारत का युद्ध कहीं बाहर नहीं, हमारे मन में ही चलता है। मन में अच्छे और बुरे विचारों की लड़ाई ही महाभारत है। यहां हमारा मन अर्जुन है और विवेक रूपी चेतना कृष्ण।

युद्ध के दौरान जब अर्जुन अपने सभी सगे-संबंधियों, गुरुओं आदि को सामने देखते हैं तो उनके मन में मोह पैदा हो जाता है। उन्हें लगता है कि ये सब तो मेरे अपने हैं, मैं इनको कैसे मार सकता हूं। इससे तो अच्छा है कि मैं युद्ध ही न करूं। ऐसी बातें सोच कर दुखी अर्जुन भगवान कृष्ण की शरण में बैठ गए।

तब भगवान कृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया। कहा, 'हे अर्जुन, जड़ मत बनो। यह तुम्हारे चरित्र के अनुरूप नहीं है। हृदय की तुच्छ दुर्बलता को त्यागकर युद्ध के लिए खड़े हो जाओ।'

कई बार व्यक्ति को किसी काम को करने से उसका दुर्बल मन डराता है। इस वजह से वह आगे नहीं बढ़ पाता मगर याद रखना चाहिए कि जीवन में तरक्की दुर्बलता से नहीं बल्कि मजबूत इरादों से मिलती है। दिनचर्या के हर काम को युद्ध की तरह समझना चाहिए और उसको उत्साह के साथ पूरा करना चाहिए। मन को कभी कमजोर नहीं पडने देना चाहिए। मन डराएगा लेकिन हमें डरना नहीं है। जीवन आगे बढने के लिए है, डर कर या निराश होकर बैठ जाने के लिए नहीं।

कैसे प्रेरित करें व्यक्ति को उन्नति व प्रगति की तरफ

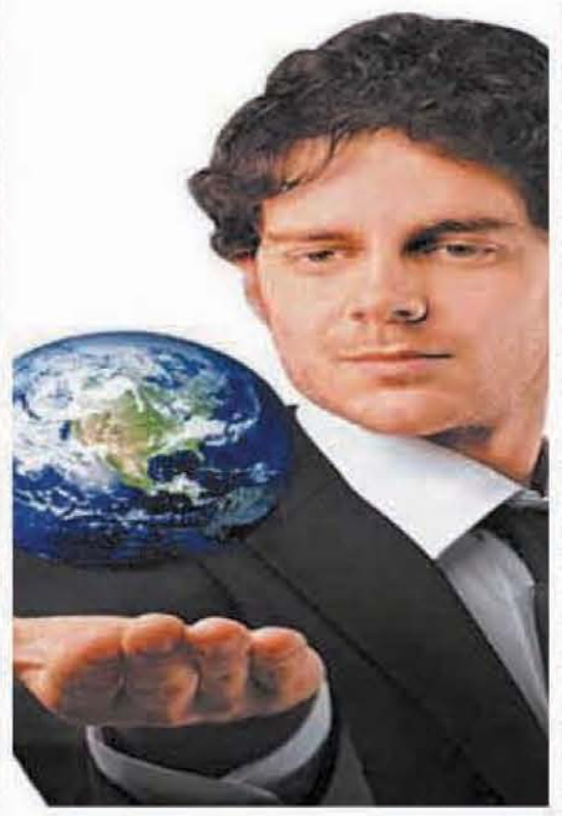

प्रशंसा के द्वारा मानव हृदय जितना अधिक आकर्षित और आंदोलित होता है, उतना और किसी प्रकार नहीं होता। प्रशंसा, झूठी चापलूसी और चाटुकारिता से सर्वथा भिन्न है। सभी चाहते हैं कि हमारे गुणों को दूसरे भी परखें,सम्मान करें। प्रशंसा-प्रोत्साहन द्वारा अनेक व्यक्तियों को ऊंचा उठाने, आगे बढ़ाने में सहायक बनने का सत्प्रयोजन पूरा किया जा सकता है। इसका जादू सभी पर प्रभाव डालता है।

हो सकता है कि कोई क्रियाशील व्यक्ति आपकी प्रशंसा-प्रोत्साहन पाकर आभावों-प्रतिकूलताओं के बीच भी आगे बढ़ने का साहस नए सिरे से जुटा ले और उन्नति के प्रकाशपूर्ण पथ पर चलता हुआ, एक दिन ऊंची चोटी पर जा पहुंचे। इस महान कर्म-साधना में आप भी अनायास ही पुण्य के भागीदार बन बैठेंगे।

अनेक ऐसे लोग जो व्यक्तिगत रूप से उन्नतिशील होते हैं और जिनमें योग्यता के अंकुर विद्यमान होते हैं, समीपस्थ लोगों की झिड़क, तिरस्कार, उपेक्षा के कारण दब जाते हैं। उनका मन मर जाता है और वे उसी को अपनी नियति मान बैठते हैं। उनके गुणों को परखकर प्रशंसा-प्रोत्साहन के दो शब्द उनके कानों में डालने की कंजूसी न की जाए, तो इन्हीं थोड़े शब्दों का रस ही उनके अन्त:करण को ऊंचे स्तर की तृप्ति देता है, जिससे उनकी सारी थकान मिट जाती है, स्फूर्ति और उमंग उमड़ पड़ती है।

उन्नति के अवरुद्ध स्रोत खुल जाते हैं, अविकसित सत्प्रवृत्तियां प्रस्फुटित हो जाती हैं, छिपी योग्यताएं जाग्रत हो जाती हैं और निराशा के अंधकार में उन्हें पुन: आशा का दीपक जगमगाता दृष्टिगोचर होने लगता है। प्रशंसा के उपरांत यह परामर्श भी दिया जा सकता है कि उसमें जो थोड़ा-बहुत दोष-दुर्गुण हैं उन्हें किस प्रकार छोड़ें, अधिक प्रतिभावान बनें। यदि आप दूसरों के मुरझाए हृदयों को सींचने का, कानों की राह आत्माओं को अमृत पिलाने का धर्म-कार्य करते हैं, तो परोपकारी मेघों जैसे श्रेय के भागी हैं।

असफलता के बीच से निकलती है सफलता

किसी ने सच कहा है कि असफलता के बीच से ही सफलता का रास्ता निकलता है। यह अलग बात है कि हम असफलता के बाद ही इतना परेशान हो जाते हैं कि अगली बार कुछ भी पाने की कोशिश नहीं करते हैं। जिसके कारण हमारी सफलता का दौर शुरू होने से पहले ही बाधित हो जाता है। खास बात तो यह है कि इसी भीड़ से कुछ लोग अपने आपको हतोत्साहित नहीं करते बल्कि असफलता के बीच से ही सफलता के नए-नए आयाम ढूंढ लेते हैं। जो इस आयाम के सहार लेकर कुछ नया करने का प्रयास करते रहते हैं वे निसंदेह एक दिन कुछ खास कर जाते हैं जिसके कारण उनकी पहचान देश में ही नहीं बल्कि विदेश में भी नहीं, इतिहास के पन्नों में सुनहरे अक्षरों में सदा के लिए लिख दिए जाते हैं। हम यहां आगे बढने से पहले बल्ब के आविष्कारक थामस एडिसन की एक छोटी सी घटना पर प्रकाश डालना चाहूंगा। गौर करने की बात तो यह है कि एक बार जब थामस ने बल्ब का आविष्कार किया तो लोंगों ने उनसे प्रश्न किया कि-आप का प्रयोग करीब दो हजार बार फेल होने के बाद आप को अब जाकर सफलता मिली है। इसके जवाब में एडिसन ने कहा कि आपकी सोच गलत है क्योंकि मैं मेरा प्रयोग दो हजार बार फेल नहीं हुआ, बल्कि बल्ब का आविष्कार का प्रयोग दो हजार प्रयोग के बाद पूरा हुआ। इस वाक्य से बहुत ही सकारात्मक सोच की अनुभूति होती है। अगर हमारे अंदर इस तरह की सोच होगी तो हमारे बीच से हजारों की संख्या में थामस एडिसन और न्यूटन जैसे सकारात्मक और सफल व्यक्तियों का आगाज होता रहेगा।

सफल होना हर किसी के जीवन का लक्ष्य होता है। सभी लोग सफल होना चाहते हैं और उसके लिए कोशिश भी करते हैं। जिसके लिए हम अपनी लाइफ का अच्छा खासा समय उसे सजाने में लगा देते हैं। यह अलग बात है कि हमारी सफलता का अनुपात कुछ समय ज्यादा तो कुछ समय कम होता है। कुछ लोगों को सफलता ज्यादा मिलती है तो कुछ लोगों को सफलता देर से मिलती है। इसके पीछे सभी के विचार भी अलग होते हैं। इसके लिए सबके विचार भी अलग-अलग होते हैं।

सफलता का मंत्र-

हमेशा लक्ष्य ज्यादा से ज्यादा तय करें। सबसे बड़ी बात तो यह है कि अगर हम सौ प्रतिशत सफलता का लक्ष्य बनाएंगे तो कुछ हद तक तो सफलता जरूर मिलेगी। अगर हमें पूरी सफलता नहीं मिलेगी तो भी हम कुछ हद तक तो सफलता पा ही जाएंगे। सफलता के लिए जरूरी है कि हमारे अंदर आत्मविश्वास के साथ आत्मज्ञान और संयम भी हो। हमेशा सकारात्मक सोच रखे और नकारात्मक सोच को दरकिनार कर दें। हमें हमेशा अपने लक्ष्य को याद रखना चाहिए। लक्ष्य के अनुसार ही काम करना चाहिए। जहां तक संभव हो अपने आपको भ्रांतियों से बचाकर ही रखें और अपने को समय के अनुसार ही ढ़ालें। सफलता की सभी कहानियां उसके असफलता से ही निकलती हैं। आज में जीने वाला व्यक्ति सदा, खुशहाल भविष्य का भागीदारी होता है। यहां हमारा यह बिल्कुल भी नहीं कहना है कि आज को आप पूरी तरह ऐश में बीता दें, यानी बर्बाद कर दें तो आप का भविष्य उज्ज्वल है। यहां आज में जीने का तात्पर्य बहुत ही सामान्य है कि आप आज में जीए और भविष्य के लिए तैयारियां करें, उदाहरण के तौर पर अगर हम परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं तो हमें वर्तमान में जी कर यानी पूरी तरह से अटेंटिव होकर अपनी पढ़ाई करनी चाहिए। इस दौरान उसे न तो नौकरी के बारे में सोचना चाहिए और न ही उसे परीक्षा के परिणाम के बारे में सोचना चाहिए। अगर वह स्टूडेंट, विभिन्न तरह के परिणामों यानी सवालों के घेरे में पड़ जाएगा तो वह वर्तमान दौर की जरुरत पढ़ाई नहीं कर पाएगा। फिर न तो परीक्षा का रिजल्ट आएगा और नही अच्छी नौकरी की उम्मीद की जा सकती है। हमें कभी भी शॉट कट फार्मूला नहीं अपनाना चाहिए। गौर करने की बात तो यह है कि शॉटकट हमेशा छोटा होता है और वह असफलता को आमंत्रित करता है। अगर गलती से सफलता मिल भी जाती है तो वह ज्यादा दिनों तक नहीं टिकती है क्योंकि वह भी शॉट कट से निकलती है तो वह भी शॉट होती है। हमे जिंदगी में फूल-प्रूफ प्लान बनाना चाहिए ताकि सफलता में कोई भी संदेह न रहे। सबसे अहम और जरूरी बात यह है कि हर किसी को अपने अंदर आत्मविश्वास और भरोसा जरूर रखना चाहिए। क्योंकि आत्मविश्वास होने पर बड़ी से बड़ी चुनौतियां बड़े ही आसानी से प्राप्त की जा सकती है। सफलता का एक अन्य जरूरी सूत्र है कि हम अपने आपको आत्मसंतुलित रखें यानी कि अपने को नियमों के अनुसार बांधकर चले। जिससे सफलता जरूर मिलती है। अपने आपको सदा इधर-उधर की बातों से दूर रखें जहां तक संभव हो जितना जरूरी हो वहीं तक लोगों से बात करे। लोगों को सदा इंटरटेन करने के बारे में न सोचे। अगर आपको लगे कि इसती संगति आपको परेशान यानी असफलता की तरफ ले जाती है तो आपको इसका छोडने में देरी नही करनी चाहिए। इसी संदर्भ में किसी जानकार का वक्तव्य हम व्यक्त करना चाहेंगे कि कुसंगति से अच्छा है कि हम बिना संगति के रहें।

गौर करने की बात तो यह है कि सफलता से सदा आत्मसंतुष्टि होती है जिसका स्वाद तो बस वही समझ सकता है कि जिसने सच्चे अर्थों में सफलता प्राप्त की हो यानी जिसने अपनी लगन और मेहनत से तैयारी की हो और उसे उसी अनुपात में सफलता मिली हो। सफलता के बाद हमें नेम, फेम के साथ एक सुकून मिलता है जो बड़ा ही आरामदायक और आनंददायक होता है। लेकिन इन सब के बावजूद व्यक्ति को कभी यह नहीं भूलना चाहिए कि उसकी शुरूआत कहा से हुई थी।

फिल्म कन्नप्पा से प्रभास का रुद्र लुक रिलीज...

मुंबई। दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार प्रभास की आने वाली फिल्म कन्नप्पा से उनका लुक रिलीज हो गया है। फिल्म कन्नप्पा के निर्माताओं ने इस फिल्म से प्रभास का लुक रिलीज कर दिया है। फिल्म कन्नप्पा में प्रभास के किरदार का नाम रूद्र है। फिल्म कन्नप्पा मुकेश कुमार सिंह निर्देशित और एम. मोहन बाबू निर्मित है। हाल ही में निर्माताओं ने भगवान शिव की भूमिका में अक्षय कुमार का एक आकर्षक पोस्टर जारी किया था। इस फिल्म से अक्षय तेलुगू सिनेमा में डेब्यू कर रहे हैं। इस फिल्म का टीजर, कान फिल्म फेस्टिवल में विष्णु मांचू, मोहन बाबू और प्रभु देवा ने दिखाया था।

हॉलीवुड मसाला

'कैप्टन अमेरिका' की कमाई में गिरावट...

लॉस एंजिल्स। पिछले शुक्रवार को हॉलीवुड फिल्म 'कैप्टन अमेरिका: ब्रेव न्यू वर्ल्ड' भारत में रिलीज हुई। मार्वल प्रोडक्शन की इस फिल्म को बहुत अच्छा रेस्पॉन्स नहीं मिल रहा है। जानिए, अब तक इस फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस कितना कलेक्शन किया? पांचवे दिन की इसकी कमाई क्या रही। अब तक प्राप्त जानकारी के अनुसार फिल्म 'कैप्टन अमेरिका: ब्रेव न्यू वर्ल्ड' ने पांचवें दिन लगभग 52 लाख रुपये ही कमाए हैं। यह कमाई पिछले दिनों के मुकाबले कम है। इस हॉलीवुड फिल्म के भारतीय बॉक्स ऑफिस कलेक्शन में लगातार गिरावट आ रही है।

लाइफ Style

रश्मिका

टैग मिलने से नहीं मेहनत से बनता है कॅरियर

एजेंसी ▶▶ मुंबई

साउथ सिनेमा से लेकर बॉलीवुड तक अपनी अलग पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना एक समय में 'नेशनल क्रश' के नाम से मशहूर थीं। 28 साल की उम्र में ही वो भारत की टॉप एक्ट्रेसेस में से एक बन चुकी है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान रश्मिका ने कहा कि टैग्स मिलने से करियर नहीं बनता, बल्कि मेहनत, लगन, लोगों का प्यार और उनकी फिल्में मायने रखती है।

2016 में कन्नड़ फिल्म 'किरिक पार्टी' से करियर शुरू करने वाली रश्मिका को लगा था कि ये उनकी पहली और आखिरी फिल्म होगी। रश्मिका मंदाना ने बताया, 'आज मैं 24 फिल्मों के बाद भी यहां हूं। मुझसे ज्यादा सुंदर और टैलेंटेड महिलाएं इंडस्ट्री में हैं, लेकिन मुझे अपनी इस जर्नी पर गर्व है। मैं अपने फैंस से गहराई से जुड़ी हुई हूं और ये मेरे लिए बहुत खास है'। पिछले दो सालों में रश्मिका ने बॉलीवुड और साउथ सिनेमा में दो बड़ी हिट फिल्में दी हैं। 2023 में 'एनिमल' में रणबीर कपूर के साथ काम किया, जिसने 1,000 करोड़ से ज्यादा कमाए। वहीं, 2024 में 'पुष्पा 2: द रूल' में श्रीवल्ली के किरदार में वापसी कर 1,800 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर चुकी है। रश्मिका मंदाना के वर्कफ्रंट की बात करें तो उनकी अगली फिल्म 'छावा' है, जिसमें वे विक्की कौशल के साथ नजर आ रही हैं। ये फिल्म मराठा सम्राट छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित है, जिसे लक्ष्मण उतेकर निर्देशित कर रहे हैं। ये फिल्म 14 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। रश्मिका ने कहा, 'अगर साउथ और हिंदी इंडस्ट्री में एक साथ कोई इवेंट हो, तो तय करना मुश्किल होता है लेकिन मुझे हर जगह से इतना प्यार मिला है कि मैं अपनी नींद छोड़कर भी वहां पहुंचना चाहती हूं।

एक्टर की परिभाषा बदल रही है...

मुंबई। एक्ट्रेस समरीन कौर ने कहा कि एक मॉडल और पेजेंट फाइनलिस्ट के तौर पर अपनी शुरूआत करने वाली समरीन ने बॉलीवुड फिल्मों से अपना डेब्यू नहीं किया, बल्कि उन्होंने पहले म्यूजिक वीडियो के जरिए दर्शकों को आकर्षित किया, जिसमें उनका गाना इश्क भी शामिल है। इस पर वे कहती हैं, "एक एक्टर की परिभाषा बदल रही है। समरीन रणवीर सिंह स्टारर फिल्म '83' में काम कर चुकी हैं। समरीन जल्द ही कुछ आपको कुछ बेहद दिलचस्प प्रोजेक्ट्स में नजर आएँगी। उन्होंने आगे कहा, "आजकल सिर्फ फिल्म डेब्यू काफी नहीं है, बल्कि जरूरी है कि आप अलग-अलग माध्यमों के जरिए दर्शकों से जुड़ें। हालांकि, समरीन ने अपनी सोशल मीडिया प्रेजेंस के जरिए अपने दर्शक कमाए हैं।

'द पैराडाइज' का ऐलान शूटिंग होगी शुरू

मुंबई। प्रोडक्शन हाउस एसेसलवी सिनेमा ने अपनी अगली फिल्म 'द पैराडाइज' का ऐलान कर दिया है। श्रीकांत ओडेला के निर्देशन में बनने वाली यह फिल्म का ऐलान दिलचस्प पोस्टर के साथ किया गया। फिल्म द पैराडाइज में म्यूजिक की कमान रॉकस्टार अनिरुद्ध रविचंदर ने संभाली है। फिल्म द पैराडाइज में अभिनेता नानी लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म पैराडाइज के निर्माता एसएलवी प्रोडक्शन ने सोशल मीडिया पर एक दिलचस्प पोस्टर शेयर करते हुए लिखा है, हैदराबाद की धड़कनें पूरी दुनिया में गूंजेंगी। द पैराडाइज में रॉकस्टार अनिरुद्ध का म्यूजिक है, निर्देशक श्रीकांत ओडेला है और फिल्म में मुख्य कलाकार नानी हैं। यह फिल्म तीन शानदार ताकतों का मिलाजुला परिणाम होगी: नेचुरल स्टार नानी, निर्देशक श्रीकांत ओडेला, और रॉकस्टार अनिरुद्ध रविचंदर।'

क्रिस्टोफर की 'द ओडिसी' में नजर आएंगे मैट डेमन

लॉस एंजिल्स। क्रिस्टोफर नोलकी की आगामी फिल्म 'द ओडिसी' में मुख्य किरदार निभाने वाले अभिनेता के नाम की घोषणा हो गई है। बता दें कि इस फिल्म में मैट डेमन मुख्य भूमिका में दिखाई देंगे। ये खुशखबरी सामने आते ही अभिनेता के फैंस उन्हें पर्दे पर देखने के लिए बेहद उत्साहित हो गए हैं। अभिनेता मैट डेमन और उनके लुक को लेकर फिल्म के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर ये जानकारी दी गई है। पोस्ट में फिल्म रिलीज डेट के बारे में भी बताया गया है। पोस्ट में यह भी बताया गया कि यह फिल्म 17 जुलाई साल 2026 को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज होने वाली है। यह कविता ग्रीक कवि होमर ने लिखी है। इसमें इथाका के राजा ओडिसियस की कहानी है, जो ट्रोजन युद्ध के बाद अपने घर लौटने के लिए यात्रा के दौरान कई कठिनाइयों का सामना करते हैं। इस यात्रा में ओडिसियस को कई खतरे उठाने पड़ते हैं।

टीवी मसाला

अंगूरी भाभी के दीवानों के लिए खुशखबरी...

मुंबई। सबसे लंबे समय तक चलने वाले टीवी कॉमेडी डेलीज में से एक 'भाबी जी घर पर हैं!' के प्रशंसकों के लिए बड़ी खबर है। सालों से दर्शकों के प्यार से सराबोर रहे इस टीवी शो पर फीचर फिल्म बनने जा रही है। इस शो पर शशांक बाली द्वारा निर्देशित फिल्म इसी साल रिलीज होगी, जिसके लिए शूटिंग 15 मार्च से देहरादून (उत्तराखंड) में शुरू होगी। अभिनेता रोहिताश्व गौर (जो मनमोहन तिवारी का किरदार निभा रहे हैं) ने खबर की पुष्टि करते हुए कहा, "जी, वाकई ये सच है! हम बेहद उत्साहित हैं, अभिनेता होने के नाते हम सभी खुद को सिल्वर स्क्रीन पर वापस देखने का सपना देखते हैं और यह हो रहा है। यह एक सपने के सच होने जैसा है। अभिनेत्री विदिशा श्रीवास्तव (जो अनीता मिश्रा का किरदार निभा रही हैं) कहती हैं, "यह हमारे प्रशंसकों के प्यार की वजह से है कि हम इतनी बड़ी छलांग का हिस्सा बन रहे हैं। मैं इस शो से बहुत बाद में जुड़ी, लेकिन आज यह मेरा परिवार है। उन्होंने आगे कहा, "शो का सार बना रहेगा और हम दर्शकों के लिए बहुत सारा धमाल करने का वादा करते हैं। स्टार कास्ट में रोहिताश्व और विदिशा, आसिफ शेख (जो विभूति नारायण मिश्रा का किरदार निभा रहे हैं) और शुभांगी अत्रे (अंगूरी तिवारी) के अलावा अन्य किरदार शामिल होंगे जो शो की सफलता का हिस्सा रहे हैं। 10 साल से प्राइम-टाइम स्लॉट में चल रहा शो के 2,500 से अधिक एपिसोड प्रसारित हो चुके हैं।

टीवी शो 'शिव शक्ति तप त्याग तांडव' में नजर आएगी घुमारवीं की बेटी..

घुमारवीं। मायानगरी मुंबई में हिमाचल प्रदेश के घुमारवीं की रिया शर्मा धूम मचा रही है। कलर चैनल पर लोकप्रिय धारावाहिक महाकाव्य पौराणिक गाथा शिव शक्ति-तप त्याग तांडव में कन्या कुमारी की महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। छोटे पर्दे पर यह धारावाहिक कलर चैनल पर सोमवार से रविवार रात आठ बजे प्रसारित होता है। इससे पहले भी रिया ने स्टार प्लस चैनल में हिट सीरियल तेरी मेरी डोरियां में मन्नत के किरदार से दर्शकों का दिल जीत चुकी है। रिया के पिता व्यवसायी अनिल शर्मा और माता सुनीता शर्मा गृहिणी और समाजसेविका हैं।

न शोले, न मुगल-ए-आजम, ये है 100 करोड़ कमाने वाली पहली भारतीय फिल्म

मुंबई। आज के समय में फिल्मों का बॉक्स ऑफिस पर 100-200 करोड़ रुपये का कलेक्शन करना आम बात हो गई है। लेकिन क्या आप उस पहली भारतीय फिल्म का नाम जानते हैं, जिसने ये आंकड़ा छुआ था? ये उस दौर की बात है, जब फिल्में 10-20 करोड़ ही कमा लें तो ब्लॉकबस्टर की श्रेणी में आ जाती थीं। जब भी 100 करोड़ी फिल्मों की बात होती है तो 2000 के दशक में आईं 'गजनी' और '3 इडियट्स' जैसी फिल्मों के नाम आते हैं। इन फिल्मों ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर ये आंकड़ा छुआ था, लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि पहली 100 करोड़ी फिल्म 80 के दशक में रिलीज हुई थी।

दिस्को डांसर के बिके थे 12 करोड़ से ज्यादा टिकट : आपको बता दें कि ये फिल्म कोई और नहीं बल्कि बब्बर सुभाष के निर्देशन में बनी 'डिस्को डांसर' थी, जिसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 100 करोड़ का आंकड़ा पार किया था। ये पहली बॉलीवुड फिल्म रही, जिसने यह उपलब्धि हासिल की। डिस्को डांसर की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसके 12 करोड़ टिकट्स बिके थे। इसी के साथ डिस्को डांसर की वर्ल्ड वाइड कमाई लगभग 100.68 करोड़ रुपये तक पहुंच गई थी। फिल्म ने विदेशी कमाई के मामले में सारी फिल्मों को पीछे छोड़ दिया, 1984 में रूस में लगभग 60 मिलियन रूबल (लगभग 94.28 करोड़ रुपये) का कलेक्शन किया।

डिलेवरी बॉय से लेकर एसटीडी बूथ तक में किया काम

मुंबई। बॉलीवुड फिल्मों में हीरो बनने का सपना लाखों एक्टर देखते हैं। लेकिन कुछ ही जुनूनी एक्टर्स का ये सपना सच हो पाता है। ऐसा ही एक जुनूनी अभिनेता है जिसने एक्टर बनने से पहले डिलेवरी बॉय के तौर पर काम किया। इतना ही नहीं एसटीडी फोन बूथ पर बतौर ऑपरेटर नौकरी की और क्लब्स में भी रोजगार तलाशते रहे लेकिन जब हीरो बने तो धमाका कर दिया। अब इसी हीरो की फिल्म ने स्टारकिड्स जुनैद खान और खुशी कपूर की फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर पटखनी दे डाली। हम बात कर रहे हैं 'सनम तेरी कसम' के हीरो 'हर्षवर्धन राणे' की।

सनम तेरी कसम ने दुबारा रिलीज पर तोड़ा रिकॉर्ड : बॉलीवुड एक्टर हर्षवर्धन राणे की फिल्म 'सनम तेरी कसम' 9 साल बाद सिनेमाघरों में दोबारा रिलीज हुई तो बॉक्स ऑफिस पर धमाका कर गई। इस फिल्म ने दोबारा रिलीज होने पर अपनी पहली कमाई को पछाड़ दिया। इतना ही नहीं आमिर खान के लाडले जुनैद खान और बोनी कपूर की बेटी खुशी कपूर की फिल्म 'लवयापा' की कमाई को भी पीछे छोड़ दिया लेकिन हर्षवर्धन के लिए यहां का सफर आसान नहीं रहा है।

डिलेवरी बॉय सहित कई जगह की नौकरी: इसके लिए हर्षवर्धन ने अपने स्ट्रगलिंग दिनों में डिलेवरी बॉय के तौर पर भी नौकरी की है। इसका खुलासा भी खुद हर्षवर्धन ने जॉन अब्राहिम के साथ मुलाकात का किस्सा सुनाते हुए किया था। हर्षवर्धन ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए बताया था, 'मेरे शुरुआती दिनों में मैंने कई तरह की नौकरियां की हैं। 2004 में मैंने एक एसटीडी बूथ में बतौर ओपरेटर की नौकरी की जहां मुझे दिनभर की कमाई में 10 रुपये मिला करते थे। इसके बाद मैंने साइबर कैफे में भी काम किया जहां मेरी तनख्वाह दिन की डबल यानी 20 रुपये हो गई थी।

जॉन अब्राहम के घर गया था डिलेवरी देने : इसके बाद मैंने डिलेवरी बॉय का काम संभाला और मुझे जॉन अब्राहिम से मुलाकात का मौक भी मिला। मैं हैलमेट की डिलेवरी किया करता था और कंपनी ने जॉन अब्राहिम के यहां मुझे डिलेवरी के लिए भेजा था। जब मैं वहां पहुंचा तो जॉन अब्राहिम 10 मिनट बाद खुद मुझसे मिलने आए और मुझे शुक्रिया कहा। इतने बड़े स्टार की इस हम्बलनेस से मैं काफी प्रभावित हुआ था।'

टीवी से की शुरुआत, मचाया जमकर धमाल : हर्षवर्धन ने अपने करियर की शुरुआत साल 2007 में आए टीवी सीरियल 'लेफ्ट राइट लेफ्ट' से की थी। इस सीरियल के बाद हर्षवर्धन ने साउथ की फिल्मों में काम तलाशना शुरू कर दिया। खास बात ये है कि हर्षवर्धन को साउथ की फिल्में भी मिलने लगीं। 2010 में हर्षवर्धन ने 'थकिता थकिता' नाम की साउथ फिल्म में काम किया। इसके बाद 2012 में 'ना इश्थाम' में अपनी एक्टिंग का जलवा दिखाया। इसके बाद ये सफर लगातार जारी रहा।

री-रिलीज में स्टारकिड्स को पछाड़ा

हर्षवर्धन की फिल्म अब 2025 में पूरे 9 साल बाद सिनेमाघरों में रिलीज हुई तो तहलका हो गया और फिल्म ने 45 करोड़ रुपयों से ज्यादा की कमाई कर डाली। इतना ही नहीं हर्षवर्धन की फिल्म 'सनम तेरी कसम' ने बॉक्स ऑफिस पर स्टारकिड्स जुनैद खान और खुशी कपूर की फिल्म 'लवयापा' को भी पछाड़ दिया है।

नेशनल ब्रेवरी अवॉर्ड से की जा चुकी हैं सम्मानित

36 बच्चों की मां है 50 साल की ये हसीना, 600 करोड़ की प्रॉपर्टी को मार चुकी है ठोकर

मुंबई। बॉलीवुड में ऐसे कई स्टार हैं, जो अपनी अदाकारी के साथ-साथ अपने सोशल वर्क के लिए भी जाने जाते हैं। इनमें सोनू सूद से लेकर जॉन अब्राहम और दीया मिर्जा सहित कई नाम शामिल हैं। ये स्टार, अपने-अपने स्तर पर सोशल वर्क में अपना योगदान दे रहे हैं। इस लिस्ट में 90 के दशक की भी एक एक्ट्रेस का नाम शुमार है। इस एक्ट्रेस ने जब इंडस्ट्री में कदम रखा तो अपनी क्यूटनेस और डिंपल्स से हर किसी का दिल जीत लिया। जी हां, हम बात कर रहे हैं बॉलीवुड की डिंपल गर्ल प्रीति जिंटा के बारे में। क्या आप जानते हैं, प्रीति जिंटा एक-दो नहीं बल्कि 36 बच्चों की मां हैं। कैसे, चलिए बताते हैं।

34 बच्चे बाल निकेतन के और 2 खुद के

प्रीति जिंटा ने साल 2016 में अमेरिकी बॉयफ्रेंड जीन गुडइनफ से शादी की थी, जिनके साथ वह अब विदेश में ही सेटल हो चुकी हैं। शादी के पांच साल बाद दोनों सरोगेसी के जरिए 2 जुड़वा बच्चों जय और जिया के पेरेंट बने। लेकिन, इससे पहले ही प्रीति 34 बच्चों की मां बन गई थीं। प्रीति जिंटा ने 2009 में अपने 34वें जन्मदिन पर खुद को बहुत प्यारा सा गिफ्ट दिया और ऋषिकेश के मदर मिरेकल अनाथालय की 34 अनाथ बच्चियों को गोद लेने का फैसला किया। इस तरह इन 34 अनाथ बच्चियों और अपने दो बच्चों के साथ प्रीति 36 बच्चों की मां बन चुकी हैं।

34 बच्चियों की पूरी परवरिश की ली जिम्मेदारी

प्रीति जिंटा ने एक पुराने इंटरव्यू में इन बच्चियों को गोद लेने की बात कही थी। इसी दौरान प्रीति ने कहा था कि वह हमेशा इन 34 बच्चियों की परवरिश का ख्याल रखेंगी। उनकी शिक्षा के खर्च से लेकर कपड़े, खाना और अन्य चीजों का खर्च भी वही उठाएंगी। प्रीति इन 34 बच्चियों को अपनी जिम्मेदारी मानती हैं और अक्सर अपनी इन बेटियों से मिलने ऋषिकेश जाती रहती हैं। प्रीति विदेश में रहते हुए भी इन बच्चियों के खर्च और जिम्मेदारी का पूरा ध्यान रखती हैं।

600 करोड़ की संपत्ति लेने से किया इंकार

प्रीति जिंटा को लेकर एक दिलचस्प किस्सा ये भी है कि उन्होंने विरासत में मिली 600 करोड़ की संपत्ति को ठोकर मार दी थी। दरअसल, अभिनेत्री को दिवंगत डायरेक्टर कमाल अमरोही के बेटे शानदार अमरोही अपनी बेटी की तरह मानते थे। यही नहीं, वे अपनी 600 करोड़ की संपत्ति प्रीति जिंटा को देना चाहते थे, लेकिन प्रीति ने इसे लेने से इनकार कर दिया। 13 की उम्र में अपने पिता को खो चुकीं प्रीति का तर्क था कि वह अपने जीवन में किसी को अपने पिता की जगह नहीं दे सकतीं और ना ही किसी की संपत्ति ले सकती हैं।

शाहरुख खान की फिल्म से किया था डेब्यू

बता दें, प्रीति जिंटा ने 90 के दशक में बॉलीवुड डेब्यू किया था। प्रीति की पहली फिल्म 'दिल' थी, जिसमें शाहरुख खान और मनीषा कोइराला लीड रोल में थे। इसके बाद प्रीति ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक फिल्में कीं और बॉलीवुड के तमाम बड़े स्टार्स के साथ काम किया। उन्होंने अपने करियर में कई हिट फिल्में दीं, जिनमें 'क्या कहना', 'कोई मिल गया' और 'वीर जारा' शामिल हैं। प्रीति अपनी फिल्मों के साथ ही अपनी खूबसूरती, क्यूटनेस और डिंपल के लिए भी मशहूर हैं।

सरस मेले के प्रचार को

डीएम ने ई-रिक्शाओं को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में आज इंदिरा गांधी कला केन्द्र सेक्टर-6 नोएडा में सरस आजीविका मेले को जनपद में सकुशल सम्पन्न कराने के उद्देश्य से उद्यमी संगठन, आर डब्ल्यू ए के समस्त अध्यक्ष/सचिव फोनरवा, हाई राइज अपार्टमेंट एसोशिएशन, एन ई ए, स्पोर्ट्स एसोसिएशन, यूनिवर्सिटी, कॉलेज के प्रतिनिधियों के साथ गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें जनपद के संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ आयोजन को सफल बनाने पर गहन विचार विमर्श किया गया।

सभी संगठन के पदाधिकारियों द्वारा डीएम मनीष कुमार वर्मा को आश्वस्त किया कि जनपद में आयोजित होने वाले सरस आजीविका मेले को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग किया जाएगा। इस अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा सरस आजीविका मेले का व्यापक प्रचार प्रसार करने के उद्देश्य से होल्डिंग से सुसज्जित ई-रिक्शाओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

गोष्ठी में मुख्य विकास अधिकारी विद्यानाथ शुक्ल, सिटी मजिस्ट्रेट विवेकानंद मिश्र, जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश, प्राधिकरण के अधिकारी एवं संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

रॉयन में मोंटेसरी ग्रेजुएशन और जूनियर महोत्सव आयोजित

नोएडा (चेतना मंच)। रायन नोएडा ने अपनी मोंटेसरी ग्रेजुएशन और जूनियर महोत्सव मनाया।

कार्यक्रम की शुरुआत 'डांस ऑफ डिवोशन' से हुई, इसके बाद एक जीवंत वेलकम डांस प्रस्तुत किया गया। एक संगीत नाटक 'क्रोक' में छात्रों के अभिनय, गायन और नृत्य कौशल का प्रदर्शन हुआ। स्कूल के गायक समूहों 'जंगल जैम' और 'इकोस ऑफ जॉय' ने ताल और धुन से माहौल को भर दिया। 'मोंट मैजिक', 'शाउट आउट फॉर जॉय' और एक खेल प्रस्तुति 'अनलीश द चैंपियन विदिन' ने कार्यक्रम में और रोमांच जोड़ा। 'माँ तुझे सलाम' की ऑर्केस्ट्रा प्रस्तुति ने देशभक्ति और गर्व का अहसास कराया।

इस दौरान रायन प्रिंस और प्रिंसेस अवार्ड्स ने विभिन्न श्रेणियों में छात्रों की समग्र उत्कृष्टता को सम्मानित किया। मोंटेसरी के छात्रों को उनके प्रमाणपत्र सम्मानित किए गए, जिसमें प्रमुख हस्तियां शामिल थीं, जैसे टी.केनेडी जेउसुदासन, जोएल जोसेफ, सतीश शर्मा, रत्न सूनल, प्रतीष तोर, श्रीमती चित्रांशी ध्यानी, गौरव शर्मा और श्रीमती खुशी पल्लवी।

प्रधानाचार्य श्रीमती निधि त्रिवेदी ने छात्रों को बधाई दी। रायनाइट्स के समग्र विकास के लिए अध्यक्ष डॉ. ए.एफ. पिंटो और प्रबंध निदेशक डॉ. ग्रेस पिंटो की सराहना की गई।

एसोटेक बिल्डर की वित्तीय अनियमितताओं की जांच करेगी ईओडब्ल्यू

नोएडा (चेतना मंच)। प्राधिकरण ने बिल्डर खिलाफ वित्तीय अनियमितता की जांच के लिए ईओडब्ल्यू दिल्ली से आग्रह किया है। प्राधिकरण ने बताया कि जीएच-4 सेक्टर-78 में 61 हजार 594 वर्गमीटर में से जीएच-04ए सेक्टर-78 क्षेत्रफल करीब 30 हजार 797 वर्गमीटर का सब डिवीजन मैसर्स एसोटेक लिमिटेड के पक्ष में 27 जुलाई 2010 को किया गया। 12 अगस्त 2010 को लीजडीड करते हुए 13 अगस्त 2010 को कब्जा दिया गया। कुछ किस्ते जमा करने के बाद बिल्डर ने पैसा जमा नहीं किया। बिल्डर पर करीब 88 करोड़ का बकाया है। बकाया वापस लेने के लिए प्राधिकरण ने कई बार नोटिस जारी किया। लेकिन कोई जवाब बिल्डर की ओर से नहीं दिया गया और न ही बकाया जमा किया गया। इस परियोजना में प्रमोटर संजीव श्रीवास्तव, प्रिया श्रीवास्तव, मदन प्रसाद श्रीवास्तव, मनेंद्र कुमार राय, मनोज श्रीवास्तव और राजीव राय ने परियोजना के फ्लैट्स बेचकर तृतीय पक्ष जनरेट किया। साथ ही प्राधिकरण में पैसा जमा नहीं करके अन्य परियोजना में डायवर्ट कर दिया। ऐसे में प्राधिकरण को वित्तीय हानि हुई साथ ही बायर्स को परेशानी का सामना करना पड़ा। ऐसे में प्राधिकरण ने उक्त बिल्डर और प्रमोटर के खिलाफ वित्तीय अनियमितता की जांच के लिए ईओडब्ल्यू से शिकायत की है।

नोएडा हाट में होगा परंपरा, कला एवं संस्कृति का मनोहर संगम

400 से अधिक लखपति दीदियां बनेंगी सरस मेले की खास मेहमान

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में पांचवीं बार परंपरा, कला एवं संस्कृति का मनोरम माहौल एवं 'लखपति एसएचजी दीदी की निर्यात क्षमता का विकास' थीम के साथ, 21 फरवरी 2025 से 10 मार्च 2025 तक प्रसिद्ध सरस आजीविका मेला 2025 का आयोजन सेक्टर 33 ए के नोएडा हाट में किया जा रहा है। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर) के समर्थन से इस सरस आजीविका मेला 2025 में ग्रामीण भारत की शिल्प कलाओं का मुख्य रूप से प्रदर्शन किया जाएगा।

21 फरवरी से 10 मार्च 2025 तक चलने वाले इस उत्सव में नोएडा के नोएडा हाट में मौजूद 400 से अधिक महिला शिल्प कलाकार, जो परंपरा, हस्तकला एवं ग्रामीण संस्कृति तथा स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी है, इसके साथ ही 85 से ज्यादा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। प्रेसवार्ता को ग्रामीण विकास मंत्रालय की संयुक्त सचिव स्वाति शर्मा, जिलाधिकारी मनीष

कुमार वर्मा और नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ लोकेश एम ने संबोधित किया।

सरस आजीविका मेले में इस बार महत्वपूर्ण इंडिया फूड कोर्ट में देश भर के 20 राज्यों की 80 उद्यमी गृहणियों का समूह अपने प्रदेश के प्रसिद्ध क्षेत्रिय व्यंजनों के स्टाल लगाएंगी, जिसमें हर प्रदेश के क्षेत्रिय व्यंजनों के स्वाद का अनोखा आनंद प्राप्त होगा। इस बार देशभर से 400 से अधिक लखपति दीदियां सरस मेले की खास मेहमान बनेंगी। मेले के विषय में जानकारी देते हुए ग्रामीण विकास मंत्रालय की संयुक्त सचिव स्वाति शर्मा ने बताया कि सरस आजीविका मेला 2025 में कुछ उत्कृष्ट प्रदर्शन जो हेंडलूम, साड़ी और ड्रेस मेटिरियल में विभिन्न राज्यों से हैं वो इस प्रकार हैं. आंध्र प्रदेश से कलमकारी, आसाम का मेखला चादर, बिहार से कॉटन और सिल्क, छत्तीसगढ़ से कोसा साड़ी, गुजरात से भारत गुंथन एंड पैचवर्क, झारखंड से तासर शिल्क एंड कॉटन और साथ ही दुपट्टा और ड्रेस मेटिरियल, चंदेरी और बाग प्रिंट मध्यप्रदेश से, मेघालय से इरी प्रोडक्ट्स, ओडिसा से तासर और बांदा, तमिलनाडु से कांचीपुरम, तेलंगाना से पोस्विपुरम, उत्तराखंड से पश्मिना, कथा, बातिक प्रिंट, तांत और बालुचरी पश्चिम बंगाल से रहेंगे।

सरस आजीविका मेला के दौरान देश भर के 31 राज्यों के हजारों उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री होगी। ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा यह एक मुहिम की शुरुआत की गई है, जिससे कि हस्तशिल्पियों और हस्तकारों को कोरोना के बाद एक बार फिर से अपनी रोजगारी शुरु करने का मौका मिल सके।

हर्ष फायरिंग में मासूम की जिंदगी लेने वाला 'रंगबाज' गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के थाना सेक्टर-49 क्षेत्र के अगाहपुर में बारात चढ़त के दौरान हर्ष फायरिंग कर एक ढाई साल के मासूम बच्चे की जान

लेने वाले रंगबाज को नोएडा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में दो लोगों के नाम एफआईआर में दर्ज कराए गए हैं जिनमें से एक की गिरफ्तारी कर ली गई है और दूसरे आरोपी की तलाश में नोएडा पुलिस जगह-जगह छापेमारी कर रही है।

आपको बता दें कि 16 फरवरी की रात थाना सेक्टर-49 क्षेत्र के सेक्टर-41 में स्थित अगाहपुर गांव में गुरूग्राम से बारात आई थी। यह बारात अगाहपुर में रहने वाले बलवीर सिंह के घर आई थी। बारात चढ़त के दौरान दूल्हे के साथ बग्गी पर बैठे दो युवकों ने हर्ष फायरिंग की थी इस फायरिंग में बारात देख रहे एक ढाई साल के बच्चे अंश शर्मा के सिर में गोली लगी थी। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया लेकिन उसकी इलाज के दौरान दुखद मृत्यु हो गई थी।

डीसीपी नोएडा रामबदन सिंह ने बताया कि अगाहपुर में हुई इस दुःखद घटना में हर्ष फायरिंग करने वाले आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तीन टीमें बनाई गई थी। पुलिस ने गुरुग्राम सहित कई ठिकानों पर छापेमारी की। इस मामले में दो लोगों के नाम सामने आए थे। पुलिस ने घटना में शामिल दीपांशु पुत्र सीतश को सेक्टर-47 के पीछे सर्विस रोड के पास से गिरफ्तारर किया है। आरोपी के पास से हर्ष फायरिंग में इस्तेमाल की गई पिस्टल भी बरामद कर ली गई है। उन्होंने बताया कि एक के पास वैध लाइसेंस है तो दूसरे के पास उसके पिता की लाइसेंसी रिवाल्वर थी।उन्होंने बताया कि दूसरे आरोपी युवक की तलाश के लिए नोएडा पुलिस जगह-जगह छापेमारी कर रही है उसे जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सरला चोपड़ा डीएवी पब्लिक स्कूल में कार्यशाला

नोएडा (चेतना मंच)। डीएवी पब्लिक स्कूल नोएडा में यातायात नियमों के पालन के लिए जागरूकता अभियान के अन्तर्गत कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें यातायात अधिकारी कपिल धामा ने छात्रों को यातायात नियमों के अनुपालन के महत्व के बारे में जानकारी दी।

कार्यशाला में उन्होंने विभिन्न यातायात-संकेतों, आपातकालीन नंबरों की जानकारी दी तथा छात्रों व शिक्षकों को नियमों व निर्देशों के पालन की शपथ दिलाई।

कार्यक्रम का समापन करते हुए विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती चित्रकांत ने छात्रों को नियम का पालन करने के महत्व बताते हुए जीवन के हर क्षेत्र में नियम पालन की सलाह दी।

तीनों प्राधिकरणों ने किसानों के साथ की वायदा खिलाफी : किसान संगठन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में सक्रिय किसान संगठन ने नोएडा-ग्रेटर नोएडा तथा यमुना प्राधिकरण के ऊपर बड़ा आरोप लगाया है। किसान संगठन का आरोप है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों का पालन करने में नोएडा प्राधिकरण, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण तथा यमुना प्राधिकरण फेल साबित हो रहे हैं। किसान संगठन का आरोप है कि नोएडा-ग्रेटर नोएडा तथा यमुना प्राधिकरणों के अधिकारी किसानों के लिए बनाई गई हाई पावर कमेटी की सिफारिशों को लागू नहीं कर रहे हैं।

किसान संघर्ष मोर्चा के एक प्रतिनिधि मंडल ने ग्रेटर नोएडा में गौतमबुद्धनगर के जिला अधिकारी मनीष कुमार वर्मा से मुलाकात की। इस मुलाकात में किसान नेताओं ने नोएडा प्राधिकरण, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण तथा यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण के ऊपर वायदा खिलाफी का आरोप लगाया। किसान नेताओं ने जिलाधिकारी से पूरे मामले में तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग रखी। इस पर गौतमबुद्धनगर के जिलाधिकारी ने किसानों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं का जल्द ही समाधान कराया जाएगा।

किसान संघर्ष मोर्चा के नेताओं ने डीएम गौतमबुद्धनगर से मिलकर प्राधिकरण स्तर पर हाई पावर कमेटी की सिफ़ारिशों को लागू नहीं करने का आरोप लगाया और नाराजगी व्यक्त की। किसान संघर्ष मोर्चा के नेताओं ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की थी एवं मुख्यमंत्री को अवगत कराया था कि, प्राधिकरण स्तर पर अधिकारी आपके स्पष्ट निर्देश के बावजूद हाई पावर कमेटी की सिफारिशों को लागू नहीं कर रहे हैं।

यह भी गौरतलब है कि डीएम द्वारा सर्किल रेट रिवीजन के लिए डेढ़ वर्ष पूर्व कमेटी बनाई गई थी परंतु आज तक सर्किल रेट का रिवीजन नहीं हुआ है। इस संबंध में डीएम गौतमबुद्धनगर

डीएम से मिले किसान नेता, जताया रोष

ने अवगत कराया कि जल्दी ही सर्किल रेट रिवाइज हो जाएंगे। किसान संघर्ष मोर्चा के नेताओं ने मांग रखी कि, तीनों प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों के साथ हाई पावर कमेटी की सिफारिश को लागू करने 10 प्रतिशत प्लाट और नए कानून को लागू करने के संबंध में गंभीर बातचीत आयोजित कराई जाए।

किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखबीर खलीफा ने एनटीपीसी की समस्याओं के संबंध में तुरंत वार्ता आयोजित करने के संबंध में डीएम के सामने मांग रखी। डीएम ने कहा है कि, 26 फरवरी के बाद बातचीत आयोजित कराकर समस्याओं का हल किया जाएगा।

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा से मुलाकात करने वाले प्रतिनिधिमंडल में नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा में सक्रिय अनेक किसान नेता शामिल थे इन किसान नेताओं में किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखबीर खलीफा, किसान सभा के जिला अध्यक्ष रूपेश वर्मा, किसान सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोरन प्रधान, उदल आर्य, वीर सिंह नागर, जगबीर नंबरदार, गबरी मुखिया, कुंवर पाल प्रधान, जयप्रकाश आर्य, गुरप्रीत एडवोकेट, रणवीर यादव, प्रेमपाल चौहान, बुधपाल यादव, दुर्गेश शर्मा उपस्थित रहे।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com